■ चैत्र शुक्ल - 10 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 248 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 07-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 वक्फ की संपत्तियों पर 'बाहुबलियों' का कब्जा : मदन राठौड़

6 रोजाना बड़ी मात्रा में स्लो पॉइजन का सेवन

7 ऋतिक रोशन ने जूनियर एनटीआर को अपना फेवरेट को-स्टार बताया

फर्स्ट टेक

बीकानेर-बिलासपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के एक हिस्से में आग लगी, कोई जनहानि नहीं

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले में यात्रियों से भरी बीकानेर-बिलासपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस (20846) के एक हिस्से में रविवार शाम आग लग गई। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और अग्निकांड में कोई भी व्यक्ति हताहत नहीं हुआ। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बीकानेर-बिलासपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस (20846) की 'पावर कार' (ट्रेन का वह हिस्सा जिससे रेलगाड़ी में बिजली की आपूर्ति की जाती है) में तराना और ताजपुर स्टेशनों के बीच शाम पांच बजे के आस-पास आग लग गयी। उन्होंने बताया कि यात्री ट्रेन की 'पावर कार' में लगी आग पर काबू पा लिया गया और मरम्मत के बाद रेलगाड़ी को शाम साढ़े छह बजे गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया।

भारत को विश्व मुक्केबाजी कप में छह पदक

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय मुक्केबाजों ने ब्राजील के फोज डू इगुआकू में आयोजित विश्व मुक्केबाजी कप में अपने अभियान का अंत छह पदक के साथ किया जिसमें हितेश का स्वर्ण पदक भी शामिल है। भारत विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित किसी शीर्ष स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पहली बार हिस्सा ले रहा था। हितेश विश्व मुक्केबाजी कप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बन गए हैं। उनके प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के ओडेल कामारा चोटिल हो गए थे और शनिवार को 70 किग्रा वर्ग के फाइनल के लिए रिंग में नहीं उतर सके। भारतीय मुक्केबाज अभिनाश जामवाल ने भी 65 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाई लेकिन स्थानीय दावेदार यूरी रेइस को कड़ी टक्कर देने के बावजूद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के जादुमणि सिंह मंदेंगबाम (50 किग्रा), मनीष राठौड़ (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा) और विशाल (90 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते।

केरल के मंदिर में आरएसएस का गीत गाए जाने पर विवाद

कोल्लम/भाषा। केरल में कोल्लम जिले के कोट्टुक्कल में त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) द्वारा प्रबंधित एक मंदिर में आयोजित संगीत समारोह के दौरान आरएसएस का 'गण गीतम' (प्रार्थना गीत) गाये जाने से विवाद पैदा हो गया है। कांग्रेस ने इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह गीत कथित तौर पर रविवार की सुबह मंदिर में आयोजित 'गण मेला' (संगीत समारोह) के दौरान एक पेशेवर संगीत मंडली के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

07-04-2025 सूर्यास्त 6:20 बजे	08-04-2025 सूर्योदय 6:00 बजे
BSE 75,364.69 (-930.67)	NSE 22,904.45 (-345.65)
सोना 9,334 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 103,000 रु. प्रति किलो

'राम राज्य' से मिलने वाली सुशासन की प्रेरणा राष्ट्र निर्माण का बड़ा आधार : मोदी

■ प्रधानमंत्री ने रामेश्वरम द्वीप और मुख्य भूमि क्षेत्र के बीच रेल संपर्क की सुविधा प्रदान करने वाले पंबन समुद्री पुल का उद्घाटन किया और नई रामेश्वरम-तांबरम (चेन्नई) ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखायी।

■ मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने इस कार्यक्रम में भाग नहीं लिया और परिसीमन के मुद्दे पर विरोध जताया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामेश्वरम (तमिलनाडु)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को यहां कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन और उनके राज्य से मिलने वाली सुशासन की प्रेरणा राष्ट्र निर्माण का बड़ा आधार है।

प्रधानमंत्री ने यहां रामेश्वरम द्वीप और मुख्य भूमि क्षेत्र के बीच रेल संपर्क की सुविधा प्रदान करने वाले पंबन समुद्री पुल के उद्घाटन और नई रामेश्वरम-तांबरम (चेन्नई) ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर तमिलनाडु में 8300 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा, आज रामनवमी का पावन पर्व है। अब से कुछ समय पूर्व अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला का सूर्य की किरणों ने भव्य तिलक किया है। भगवान श्रीराम का जीवन, उनके राज्य से मिलने वाली सुशासन की प्रेरणा राष्ट्र निर्माण का बड़ा आधार है। उन्होंने संगम युग के साहित्य का हवाला देते हुए भगवान राम के साथ तमिलनाडु के जुड़ाव को भी रेखांकित किया। श्रीलंका के साथ मछुआरों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में श्रीलंका से 3,700 से अधिक मछुआरों को वापस लाया गया है, जिनमें से 600 से अधिक को पिछले साल ही वापस लाया गया।

मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने इस कार्यक्रम में भाग नहीं लिया और परिसीमन के मुद्दे पर विरोध जताया।

स्टालिन ने कहा कि उन्होंने पहले ही प्रधानमंत्री को पुल के उद्घाटन समारोह में भाग लेने में असमर्थता से अवगत करा दिया था, क्योंकि उनके पहले से ही आधिकारिक कार्यक्रम निर्धारित थे। मुख्यमंत्री रविवार को आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए उधगमंडलम शहर में थे। स्टालिन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया को लेकर तमिलनाडु के लोगों की आशंकाओं को दूर करना चाहिए।

तमिल भाषा की पैरवी

प्रधानमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए तमिल भाषा का समर्थन करते हुए पलटवार किया। उन्होंने गरीबों की मदद के लिए तमिल माध्यम में चिकित्सा शिक्षा देने की वकालत की और कहा कि हाल के वर्षों में राज्य को 11 नए मेडिकल कॉलेज मिले हैं।

मोदी ने कहा कि तमिल भाषा और विरासत को दुनिया के सभी कोनों तक ले जाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के नेताओं की चिट्ठीयां जब उनके पास आती हैं तो कभी भी कोई नेता तमिल भाषा में हस्ताक्षर नहीं करता है। अरे तमिल का गौरव हो! मैं सबसे कहूंगा कम से कम तमिल भाषा में अपने हस्ताक्षर तो करो।

रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की

इससे पहले प्रधानमंत्री ने यहां रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु का हमारा मत्स्य उद्योग से जुड़ा समाज बहुत मेहनती है। मोदी ने कहा कि मत्स्य उद्योग से जुड़ी अवसंरचना को मजबूत करने के लिए राज्य को जो भी मदद चाहिए, वो केंद्र सरकार दे रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले पांच साल में, 'पीएम मत्स्य संपदा योजना' के तहत भी, तमिलनाडु को करोड़ों रुपए मिले हैं। उन्होंने कहा, सरकार की कोशिश यही है कि मछुआरों को ज्यादा सुविधाएं मिलें, चाहे सीवीड पार्क हो या फिर फिशिंग हार्बर और लेंडिंग सेंटर हों, केंद्र सरकार यहां सैकड़ों करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। उन्होंने बताया कि बीते 10 वर्षों में भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था का आकार दोगुना किया है। इतनी तेज वृद्धि का एक बड़ा कारण हमारी शानदार आधुनिक अवसंरचना भी है।

द्रमुक शासन द्वारा राज्य को धन आवंटन पर नाराजगी जताए जाने की पृष्ठभूमि में मोदी ने कहा, विकसित भारत के सफर में तमिलनाडु की बहुत बड़ी भूमिका है। मैं मानता हूं, तमिलनाडु का सामर्थ्य जितना ज्यादा बढ़ेगा, भारत की वृद्धि उतनी ही तेज होगी। बीते दशक में तमिलनाडु के विकास के लिए, 2014 से पहले की तुलना में तीन गुणा ज्यादा पैसा केंद्र से दिया गया है।

रामनवमी पर किया गया रामलला का 'सूर्य तिलक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। रामनवमी के अवसर पर अयोध्या के नवनिर्मित रामजन्म भूमि मंदिर में भगवान श्री राम का 'सूर्य तिलक' किया गया। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में सूर्य तिलक का वीडियो साझा करते हुए कहा, ''श्री रामनवमी के पावन अवसर पर प्रभु का सूर्य तिलक।'' ट्रस्ट ने श्री रामलला के अभिषेक की तस्वीरें भी साझा की हैं।

रामनवमी के अवसर पर सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान राम की पूजा-अर्चना करने और उनके दर्शन करने के लिए मंदिर में आ रहे हैं।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''भगवान राम के माथे पर सूर्य तिलक अपराह्न 12 बजे शुरू हुआ और यह लगभग चार मिनट तक रहा।'' ट्रस्ट के मीडिया सेंटर ने भी सूर्य तिलक का वीडियो 'एक्स' पर साझा किया है।

ट्रस्ट ने एक बयान में कहा, ''जैसे ही भगवान भास्कर (सूर्य) की प्रखर किरणें श्री रामलला के माथे पर पड़ीं, भगवान के समक्ष उपस्थित भक्त खुशी से नाच उठे। भक्तों ने इस क्षण का स्वागत किया। जो लोग अयोध्या नहीं पहुंच सके उन्होंने अपने स्थानों से ही श्री रामलला के महामस्तकाभिषेक का सीधा प्रसारण देखा।''

बयान के मुताबिक, ''श्री रामलला के माथे तक सूर्य भगवान का आशीर्वाद पहुंचाने की व्यवस्था के लिए कल अंतिम प्रयास किया गया। यह कार्य एक बार पहले भी हो चुका है, इसलिए इस बार कोई समस्या नहीं हुई। ऊपरी मंजिलों पर लगातार निर्माण कार्य होने के कारण कुछ समस्याएं थीं। इस बार धनिया के प्रसाद के साथ-साथ फलों के लड्डू का प्रसाद भी वितरित किया गया।''

सिराज के चार विकेट, गिल का अर्धशतक, गुजरात टाइटन्स सात विकेट से जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। गुजरात टाइटन्स ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज (17 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 61 रन) के अर्धशतक और वाशिंगटन सुंदर (49 रन) के साथ उनकी तीसरे विकेट के लिए 56 गेंद में 90 रन की साझेदारी से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

सिराज के अलावा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और बायें हाथ के स्पिनर साई किशोर के दो दो विकेट झटकने से सनराइजर्स हैदराबाद 20 ओवर में आठ विकेट पर 152 रन ही बना सकी।

गुजरात टाइटन्स ने गिल और शेरफाने रदरफोर्ड (नाबाद 35 रन, 16 गेंद, छह चौके, एक छक्का) के बीच चौथे विकेट के लिए 21 गेंद में 47 रन की अटूट साझेदारी से 16.4 ओवर में तीन विकेट पर 153 रन बनाकर जीत हासिल की। इस तरह सनराइजर्स हैदराबाद को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा। गुजरात टाइटन्स की भी शुरूआत अच्छी नहीं रही जिसने तीसरे ओवर में सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (05) और अगले ओवर में जोस बटलर (शून्य) के विकेट गंवा दिए।

देशभर में श्रद्धा के साथ मनाई गई रामनवमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/कोलकाता/रामेश्वरम/भाषा। देशभर में रविवार को रामनवमी श्रद्धा के साथ मनायी गई और बड़ी संख्या में लोग मंदिरों में पहुंचे, दर्शन किए और रंगारंग शोभायात्राओं में शामिल हुए।

पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इलाकों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और तृणमूल कांग्रेस के नेता शोभायात्रा में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु के रामेश्वरम में रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की और लोगों को भगवान राम के जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सभी देशवासियों को रामनवमी की ढेरों शुभकामनाएं। प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव का यह पावन-पुनीत अवसर आप सबके जीवन में नई चेतना और नया उत्साह लेकर आए, जो सशक्त, समृद्ध और समर्थ भारत के संकल्प को निरंतर नई ऊर्जा प्रदान करे। जय श्रीराम।'' उन्होंने बताया कि रविवार को श्रीलंका से भारत आने वाली अपनी उड़ान में उन्होंने रामसेतु के दर्शन किए।

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, ''एक दिव्य संयोग के रूप में, यह उसी समय हुआ जब अयोध्या में भगवान राम का सूर्य तिलक हो रहा था। दोनों के दर्शन पाकर धन्य हो गया। प्रभु श्रीराम हम सभी को एकजुट करने वाली शक्ति हैं। उनका आशीर्वाद हमेशा हम पर बना रहे।''

भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या स्थित राममंदिर में सूर्य तिलक के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी, जहां सूर्य की किरणें बालक श्री रामलला की मूर्ति के माथे पर पड़ीं।

त्योहार की शुरुआत रविवार सुबह से ही हो गई थी, जब श्रद्धालु भगवा झंडे लेकर और 'जय श्रीराम' के जयकारे लगाते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा में रामायण के दृश्यों को दर्शाती झांकियां थीं और वातावरण में भक्ति संगीत गूंज रहा था। पुलिस हाई अलर्ट पर थी, खासकर उन इलाकों में जहां पूर्व में रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान झड़पें हुई हैं।

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की भागीदारी के साथ लगभग 2,500 रामनवमी शोभायात्रा निकाला जाना निर्धारित था। राज्य में यह धार्मिक अवसर राजनीतिक रणक्षेत्र में बदल गया, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

इतिहास की अहमियत

सच्चा इतिहास,
सच की तस्वीर होता है।
पुरखों का गौरव,
कीमती जागीर होता है।
पीढ़ियों के लिए,
अद्भुत नजीर होता है।
झुठलाओ मत इसे,
वर्ना ये जंजीर होता है।।

वक्फ संशोधन विधेयक पारित होना एक ऐतिहासिक निर्णय : रामदेव

हरिद्वार/भाषा। वक्फ संशोधन विधेयक के पारित होने को 'ऐतिहासिक निर्णय' बताते हुए योग गुरु स्वामी रामदेव ने रविवार को कहा कि भारत में सभी धर्मों के लिए एक संविधान और एक कानून की व्यवस्था है जिसे वक्फ कानून से मजबूती मिलेगी। रामदेव ने रामनवमी के पर्व पर संवाददाताओं से यहां बातचीत करते हुए कहा कि देश में हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन व बौद्ध, सबके लिए एक संविधान, एक कानून की व्यवस्था है और वक्फ कानून बनने से इस व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि यदि वक्फ कानून नहीं बनता तो देश में विभिन्न समुदाय के लोग अलग-अलग बोर्ड बनाने की मांग करते । रामदेव ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल वोटों की राजनीति के लिए वक्फ विधेयक का विरोध कर रहे हैं । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी, जिसे पिछले सप्ताह संसद ने तीखी चर्चा के बाद पारित किया था। पश्चिम बंगाल में रामनवमी शोभायात्रा से पाबंदी हटाए जाने को लेकर उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पाबंदियां राजनीति से प्रेरित होकर वोट बैंक के ध्रुवीकरण के लिए लगाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि रामनवमी, जन्माष्टमी और ईद आदि धार्मिक पर्वों पर कोई पाबंदी नहीं होनी चाहिए।

भारत ने न्याय की सर्वोच्चता स्थापित की है : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/ताशकंद/एजेन्सी। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को इस बात पर जोर देते हुए कि भारतीय संसद ने न्याय और कानून के शासन को प्राथमिकता देते हुए कई कदम उठाए हैं, कहा कि 'भारतीय दंड संहिता' के स्थान पर 'भारतीय न्याय संहिता' लागू करके भारत ने न्याय की सर्वोच्चता स्थापित की है।

बिरला ने भारत के संविधान की समावेशी और कल्याणकारी प्रकृति पर प्रकाश डालते हुए उल्लेख किया कि भारतीय संविधान की भावना सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार करना एवं उन्हें समान अधिकार प्रदान करना है। साथ ही समान अवसर प्रदान करना, तथा समाज के हाशिए पर पड़े और पिछड़े वर्गों को 'प्रगति की मुख्यधारा' में एकीकृत करना भी है। उज्बेकिस्तान के ताशकंद में अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की ऐतिहासिक 150वीं सभा में 'सामाजिक विकास और न्याय के लिए संसदीय कार्रवाई' पर मुख्य भाषण देते हुए बिरला ने कहा, हाल के वर्षों में, भारतीय संसद ने कई ऐसे कानून पारित किए हैं जो सामाजिक न्याय और सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं तथा समाज के सभी वर्गों को शामिल करने को प्रोत्साहित करते हैं।

समाज के कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा के लिए संसद की चिरस्थायी चिंता का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा,दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम-2016', 'ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019' और 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023' जैसे विधेयक समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा करते हैं। इस संदर्भ में, उन्होंने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के लिए संसद द्वारा पारित नए श्रम कानूनों और संहिताओं का भी उल्लेख किया।

किसान नेता डल्लेवाल ने अपना अनशन समाप्त किया

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने रविवार को अपना आमरण अनशन समाप्त कर दिया। डल्लेवाल ने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी सहित आंदोलनकारी किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर पिछले साल 26 नवंबर को अनशन शुरू किया था। यह घोषणा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू द्वारा उनसे आमरण अनशन समाप्त करने की अपील के एक दिन बाद की गई। डल्लेवाल ने पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले के सरहिंद में आयोजित 'किसान महापंचायत' में घोषणा की कि वह अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि फसलों के लिए एमएसपी पर कानूनी गारंटी और अन्य मांगों के लिए उनकी लड़ाई जारी है।

आचार्य वास्तव में वही है जिसका आचरण सर्वश्रेष्ठ हो : आचार्यश्री पार्श्वचन्द्र

जय पार्श्व पद्मोदय जैन युवा फाउंडेशन का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बेंगलूरु सेंट्रल के तत्वावधान में महावीर धर्मशाला में आचार्य पार्श्वचंद्रजी, डॉ पदमचंद्रजी के सान्निध्य में गतिमान आयंबिल ओली तप आराधना कार्यक्रम के अंतर्गत प्रवचन में आचार्य पार्श्वचन्द्रजी ने आचरण शुद्धि को धर्म का सबसे महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा कि ज्ञान का सार आचरण है। आचार्य वास्तव में वही है जिसका आचरण सर्वश्रेष्ठ हो। आचरण के बिना किसी पदवी का कोई महत्व नहीं है।

जयधुरंधरमुनि ने कहा कि प्रभु के शासन में धर्म आराधना का अवसर मिला और नवपद ओली के तृतीय दिवस पर आचार्य की महिमा बताते हुए कहा कि आचार्य तीर्थकरों के प्रतिनिधि होते हैं। गुरु के गुणगान गाकर उनकी सेवा भक्ति करें। गुरु भगवंतो की कृपा दृष्टि से जीव संयम को प्राप्त करता है। हम जन से जैन और जैन से जिन बनने का पुरुषार्थ करें।

जयपुरन्दरमुनि ने कहा कि धन, पुत्र, यश, पद, स्वास्थ्य, सुख, शांति ये सब पुण्य से मिलते हैं। भगवान किसी को सुखी या दुखी नहीं करते। अन्यथा भगवान के भीतर राग-द्वेष आ जाएगा। झगड़े का मूल कारण है अहंकार और अहंकार से मुक्ति की साधना है नवपद की आराधना। नमन करने वाला ही अहंकार से मुक्त होगा। आज राम नवमी का प्रसंग भी हमें मर्यादित जीवन जीने की शिक्षा देता है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम जन जन के आराध्य बने हैं क्योंकि वो मर्यादा में जीएं, इसलिए कहते हैं कि कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे। हमारे जीवन के राम हमारे आचार्य भगवन हैं, बस हम हनुमान बनकर राम की कृपा को पाएँ।

डॉ. पदमचंद्रमुनि ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म की उन्नति के लिए युवा वर्ग में जागरूकता आवश्यक है। उनकी प्रेरणा व मार्गदर्शन से जय पार्श्व पद्मोदय जैन युवा फाउंडेशन बेंगलूरु का सर्वसम्मति से गठन हुआ जिसमें अध्यक्ष चेतन कोठारी, मंत्री अक्षय श्रीश्रीमाल, कोषाध्यक्ष निशांत मकाणा को मनोनीत किया गया। आचार्य पार्श्वचंद्रजी ने तपस्वियों को आयंबिल के प्रत्याख्यान करवा कर मंगल पाठ प्रदान किया।

शांतिनगर में आयोजित हुआ 'जेम टॉक' कार्यक्रम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । रविवार को शहर के शांतिनगर जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ व वर्धमान श्वेताम्बर स्थाकवासी जैन श्रावक संघ के संयुक्त तत्वावधान में लुणावत भवन में पन्यासश्री जयभानुशेखरविजयजी के सान्निध्य में जेम टॉक' नामक प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में पन्यासश्री ने प्रकृति, पारिवारिक रिश्ते, मानसिक स्वास्थ्य, आचार, व्यवहार आदि विषयों पर बहुत ही सारगर्भित प्रवचन दिया और उपस्थित जनों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या श्रावक श्राविकाओं सहित युवा वर्ग उपस्थित था। कार्यक्रम का संचालन तुषारगुरु जी ने किया।

आशापुरा धाम में धूमधाम से सम्पन्न हुआ चैत्र नवरात्रि महोत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के कगलीपुरा स्थित आशापुरा धाम में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर नौ दिवसीय धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन संपन्न हुआ।

नवरात्रि के दौरान रोजाना दुर्गा सप्तशती पाठ, 108 दीपकों से आरती, ज्योत दर्शन, विनायकजी, श्री खेतलाजी एवं श्री आशापुरा माताजी को 56 भोग अर्पण, जैसे पावन अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। रविवार को विशेष आयोजन के अंतर्गत माताजी का अभिषेक, भव्य श्रृंगार, 56 भोग अर्पण, हवन एवं पूर्णाहुति विधिपूर्वक संपन्न हुई। भोर से ही दर्शन हेतु भक्तों की लंबी कतारें लग गईं और देर रात तक श्रद्धालुओं का मंदिर में मेला लगा रहा। मंदिर में आयोजकों द्वारा दी गई सुविधाएं, सुरक्षा, भोजन प्रसादी और भक्तों के स्वागत-सत्कार की सराहना हर ओर हो रही है।

विकसित देश अब एफटीए वार्ताओं में गैर-व्यापार मुद्दों पर नहीं दे रहे जोर: सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। विकसित देश भारत के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत को आगे बढ़ाने के संकेत दे रहे हैं और उनका स्थिरता एवं जलवायु दायित्वों जैसे गैर-व्यापार मुद्दों को शामिल करने पर भी अधिक जोर नहीं है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

सूत्रों ने कहा कि भारत के साथ संवाद के दौरान ये देश इस तरह के सुझाव दे रहे हैं कि पहले व्यापार शुरू करें, बाकी बाहरी मुद्दों पर बाद में विचार करेंगे।

इन देशों का मानना है कि मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता में व्यापारिक साझेदारों को सभी विकल्प खुले रखने चाहिए ताकि चीजें सुचारू रूप से आगे बढ़ सकें।

एक सूत्र ने कहा कि स्थिरता और जलवायु जैसे मुद्दों पर दबाव डालने वाले देश भी अब इस बारे में चुप्पी साध लिए हैं।

भारत ने हमेशा कहा है कि टिकाऊ जलवायु, श्रम और पर्यावरण जैसे मुद्दों को व्यापार समझौतों में समाहित करने के बजाय अलग-अलग मंचों या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाया जाना चाहिए।

श्रम मानकों के लिए अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और पर्यावरण संबंधी मुद्दों के लिए जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र मसौदा समझौता मौजूद है।

यूरोपीय संघ और ब्रिटेन भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौतों में ऐसे मुद्दों को शामिल करने पर जोर देते रहे हैं।

राम महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा रामनवमी के उपलक्ष्य में हंपी नगर में राम महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलन कर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। मुणोत ने छाछ-पानका पेय का वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम हमारे हृदय में बसते हैं, हमारे संस्कारों में बसते हैं। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

कांग्रेस में पीढ़ीगत बदलाव की प्रक्रिया जारी है: पायलट ने एआईसीसी अधिवेशन से पहले कहा

नई दिल्ली/भाषा। अहमदाबाद में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अधिवेशन से पहले कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने रविवार को कहा कि पार्टी में पीढ़ीगत बदलाव हो रहा है और युवा नेता उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया में जवाबदेही के साथ-साथ विचारधारा को मजबूत करना मुख्य मंत्र होगा।

पायलट ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा कि गुजरात में हो रहा एआईसीसी अधिवेशन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ऐसे समय में हो रहा है जब ध्यान संबंधित राज्य में पार्टी को मजबूत करने और वहां इसका पुराना गौरव बहाल करने पर है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि पार्टी भले ही लोकसभा चुनावों के बाद कुछ राज्यों में चुनाव हार गई हो, लेकिन उसने लड़ने का जज्बा या जोश नहीं खोया है।

यह पूछे जाने पर कि क्या पार्टी में पीढ़ीगत बदलाव का समय आ गया है, पायलट ने कहा कि कोई भी बदलाव रातोंरात नहीं होता बल्कि धीरे-धीरे होता है। उन्होंने कहा, ''पार्टी पिछड़ों, युवाओं, महिलाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अल्पसंख्यकों की स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। ये वे वर्ग हैं जो हमारी आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा हैं और इन वर्गों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण है।''

पायलट ने जयपुर से फोन पर 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''पार्टी के मंच पर हमने उदयपुर घोषणापत्र को स्वीकार किया और उसका पालन कर रहे हैं। पार्टी की सभी नियुक्तियों में हम उस घोषणापत्र को ध्यान में रख रहे हैं। (पीढ़ीगत) बदलाव अपने आप हो रहा है, कई लोग अब नेतृत्व की भूमिकाएं संभाल रहे हैं चाहे वह संसद के भीतर हो या संसद के बाहर, राज्यों में हो या एआईसीसी में नए लोगों की नियुक्ति हो, युवा अब नेतृत्व की भूमिकाएं संभाल रहे हैं।'' पायलट ने कहा कि पार्टी ने दिसंबर में बेलगावी सम्मेलन में घोषणा की थी कि 2025 संगठनात्मक सशक्तीकरण का वर्ष होगा। उन्होंने कहा कि ध्यान संगठनात्मक सुधार, रिक्त पदों को भरने और युवाओं को अधिक राजनीतिक शक्ति देकर पार्टी द्वारा उदयपुर घोषणा पर कायम रहने पर है। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी जी, मल्लिकार्जुन खरगे जी और प्रियंका (गांधी वाड्रा) जी पार्टी, विभागों और आईवाईसी, एनएसयूआई, सेवा दल, महिला कांग्रेस आदि जैसे प्रमुख संगठनों के कामकाज में काफी रुचि ले रहे हैं।''

पायलट ने कहा, ''हमने 2025 को पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने और उनमें उत्साह भरने का वर्ष बनाने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया है। हम पार्टी को वैचारिक रूप से और अधिक मजबूत होते देखेंगे, प्रभावी लोगों को अधिक जिम्मेदारियां देंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि जो काम करने में समर्थ नहीं हैं, उनकी जगह ऐसे लोगों को लाया जाए जो कड़ी मेहनत कर रहे हैं और अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।''

क्या जवाबदेही पार्टी के लिए मुख्य मंत्र होगा, पायलट ने कहा, ''ऐसा होना ही चाहिए।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि जिम्मेदारी देना एक बात है, लेकिन हर व्यक्ति को जब उसे कोई काम दिया जाता है तो उसे जवाबदेह होना पड़ता है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''इस बात की लगातार समीक्षा की जाएगी कि कौन काम कर रहा है और कौन नहीं कर रहा है। उदाहरण के लिए राजस्थान में हमने निर्णय लिया है कि पार्टी का कोई भी पदाधिकारी जो बिना उचित कारण के लगातार तीन पार्टी बैठकों में शामिल नहीं होता है, उसे हटा दिया जाएगा और किसी अन्य को जगह दी जाएगी।''

पायलट ने कहा कि यहां इंदिरा गांधी भवन में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि जिला कांग्रेस कमेटी प्रमुखों को बड़ी भूमिका दी जाएगी तथा चुनाव, वित्तीय प्रबंधन और चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन प्रक्रिया में उनकी अधिक भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि ये सभी पहलू पहले भी मौजूद थे, लेकिन भविष्य में इन्हें और अधिक बेहतर किया जाएगा।

लोकसभा चुनाव और उसके बाद कांग्रेस नेताओं के पाला बदलने के बारे में पायलट ने कहा कि संगठन व्यक्ति से बड़ा होता है हालांकि लोग अपनी पसंद-नापसंद और राजनीतिक मजबूरियों के अनुसार आते-जाते हैं, लेकिन कांग्रेस दुनिया के सबसे पुराने राजनीतिक संगठनों में से एक है और सत्ता में हो या विपक्ष में, जनता की सेवा के प्रति इसकी प्रतिबद्धता बरकरार है।

वक्फ अधिनियम के जरिए भूमि अधिग्रहण करना चाहती है भाजपा सरकार : हर्षवर्धन सपकाल

नासिक/भाषा। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने रविवार को कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम के पीछे भाजपा सरकार का मकसद भूमि अधिग्रहण है।

सपकाल ने दावा किया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की नजर केरल के प्रसिद्ध पद्मनाभ मंदिर से भारी मात्रा में सोना 'हड़पने' पर है।

सपकाल ने रामनवमी के अवसर पर संविधान की प्रति लेकर नासिक स्थित कालाराम मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि भगवान राम भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर ने नासिक के ऐतिहासिक कालाराम मंदिर में प्रवेश पाने की कोशिश की थी, लेकिन तत्कालीन व्यवस्था ने उनके प्रयासों का विरोध किया था। उन्होंने कहा, '' मैंने भगवान राम के दर्शन के लिए बाबासाहेब द्वारा लिखित पवित्र संविधान को हाथ में लेकर कालाराम मंदिर में प्रवेश किया। ''

कालाराम मंदिर सत्याग्रह के दौरान अंबेडकर का समर्थन करने वाले दादा साहब गायकवाड़ के पोते कुणाल गायकवाड़ भी सपकाल के साथ मौजूद थे।

सपकाल ने कहा, ''भगवान राम सबके हैं, वे भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग हैं।'' उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा है कि भारत और महाराष्ट्र में समानता, भाईचारे और संविधानवाद के विचार फैलें।

कांग्रेस नेता ने 1930-35 के दौरान कालाराम मंदिर में प्रवेश के लिए अंबेडकर द्वारा किए गए सत्याग्रह का उल्लेख किया।

सपकाल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा, '' जब अंग्रेजों ने दिल्ली को अपनी राजधानी बनाने का निर्णय लिया, तो मांग उठी कि भूमि अधिग्रहण करते समय पूजा स्थलों को सुरक्षित रखा जाए। इसी उद्देश्य से 1913 में पुनर्वास अधिनियम के माध्यम से वक्फ बोर्ड का गठन किया गया। इसका गठन सभी धर्मों के पूजा स्थलों को सुरक्षित रखने के लिए किया गया था और मंदिर, मस्जिद तथा गुरुद्वारों को विशेष अधिकार दिए गए थे।

पूजन

कोलकाता के आद्यापीठ आश्रम में रामनवमी समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित 'कुमारी पूजा' अनुष्ठान के दौरान तस्वीरें खिंचवाती लड़कियाँ।

गोवा की अस्थिर राजनीति में स्थिरता लाने में भाजपा सफल रही

पणजी/भाषा। हाशिए की पार्टी माने जाने से लेकर गोवा का सत्तारूढ़ दल बनने तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वर्षों के अपने राजनीतिक सफर में ना केवल अपना जनाधार बढ़ाया बल्कि राज्य को सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाला मुख्यमंत्री भी दिया है।

भाजपा रविवार को अपना स्थापना दिवस मना रही है। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने याद दिलाया कि राज्य में भाजपा की यात्रा जमीनी स्तर पर दिवंगत मनोहर पर्रिकर सहित इसके वरिष्ठ नेताओं की दृढ़ता और कड़ी मेहनत का परिणाम रही है। गोवा में कई वर्षों तक राजनीतिक अस्थिरता देखी गई, लेकिन मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने राज्य में एक स्थिर सरकार प्रदान करने के लिए अपने पार्टी सहयोगियों और राजनीतिक विश्लेषकों से प्रशंसा अर्जित की है। सावंत अब राज्य के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री हैं।भाजपा की स्थापना 1980 में तत्कालीन भारतीय जनसंघ के नेताओं ने की थी। जनसंघ ने आपातकाल के बाद 1977 के चुनावों में कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए अन्य विपक्षी दलों के साथ विलय करके जनता पार्टी का गठन किया था। भाजपा के वरिष्ठ नेता गोविंद पर्वतकर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''जब हम राज्य में भाजपा का जनाधार बढ़ाने के लिए घूमते थे, तो हमारा मजाक उड़ाया जाता था।

ध्वजारोहण

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा रविवार को नई दिल्ली में भाजपा दिल्ली कार्यालय में भाजपा स्थापना दिवस समारोह के दौरान ध्वजारोहण करते हुए।

वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों के हित में है: सैनी

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) कानून मुसलमानों के हित में है। सैनी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इसका (वक्फ कानून) विरोध इसलिए कर रही है क्योंकि उसे डर है कि वह इससे अपनी ''आय'' खो बैठेगी। सैनी ने पंचकूला स्थित भाजपा कार्यालय में पार्टी के 46वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम के अवसर पर संवाददाताओं से कहा, ''वक्फ संशोधन कानून मुसलमानों के हित में है और यह वक्फ के हित में है।''

उन्होंने कहा, ''परंतु कांग्रेस को पीड़ा हो रही है, कांग्रेस की दाल रोटी बंद हो गई है।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस द्वारा वोट बैंक हासिल करने के लिए किए गए सभी कार्यों को खत्म करने में लगे हुए हैं।

दौरा

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस रविवार को कोलकाता में राम नवमी के अवसर पर राम मंदिर का दौरा किया।

प्रधानमंत्री की तमिलनाडु सरकार से अपील,

'तमिल भाषा में कराएं मेडिकल कोर्स, गरीब बच्चे बनेंगे डॉक्टर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामेश्वरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामेश्वरम में विशाल जनसमूह के समक्ष प्रदेश के मुखिया एमके स्टालिन से अपील की। ये अपील 'भाषा' को लेकर थी। उन्होंने आग्रह किया कि गरीब बच्चों की सुविधा को ध्यान में रख प्रदेश सरकार मेडिकल कोर्स तमिल भाषा में कराए।

प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु सरकार से एक अपील की। उन्होंने कहा, तमिलनाडु में 1400 से ज्यादा जनऔषधि केंद्र हैं। यहां 80 फीसदी डिस्काउंट पर दवाएं मिलती हैं। इससे भी तमिलनाडु के लोगों की 7 हजार करोड़ रुपए की बचत हुई। देश के नौजवानों को डॉक्टर बनने के लिए विदेश जाने की मजबूरी नहीं रहेगी। इसके लिए बीते सालों में तमिलनाडु को 11 मेडिकल कॉलेज मिले हैं। अब गरीब से गरीब बेटा-बेटी भी डॉक्टर बन सकते हैं। मैं तमिलनाडु सरकार से कहना चाहता हूं कि वे तमिल भाषा में मेडिकल कोर्स जारी करें, ताकि अंग्रेजी न जानने वाले गरीब परिवार के बेटे-बेटी भी डॉक्टर बन सकें। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हजारों साल पुराने शहर को 21वीं सदी के इंजीनियरिंग चमत्कार से जोड़ा जा रहा है। मैं अपने इंजीनियरों और श्रमिकों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद देता हूं। यह पुल भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे समुद्री पुल है। इसके नीचे से बड़े जहाज गुजर सकेंगे। इस पर ट्रेनें भी तेजी से चल सकेंगी। नई ट्रेन सेवा से रामेश्वरम से चेन्नई और देश के अन्य हिस्सों तक कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इससे तमिलनाडु में व्यापार और पर्यटन दोनों को लाभ होगा। युवाओं के लिए नई नौकरियां और अवसर भी पैदा होंगे। बीते 10 वर्षों में, भारत ने अपनी इकोनॉमी का साइज दोगुना किया है। इतनी तेज ग्रोथ का एक बड़ा कारण हमारा शानदार मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर भी है। बीते 10 वर्षों में हमने रेल, रोड, एयरपोर्ट, पानी, पोर्ट, बिजली, गैस पाइपलाइन, ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर का बजट करीब 6 गुना बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में बड़े निर्माण कार्य चल रहे हैं। उत्तर में, जम्मू और कश्मीर में, दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुलों में से एक, चेनाब ब्रिज का निर्माण पूरा हो चुका है। पश्चिम में, मुंबई में, भारत का सबसे लंबा समुद्री पुल, अटल सेतु का निर्माण किया गया है। पूर्व में, असम में, आप बोगीबील ब्रिज देख सकते हैं और दक्षिण में, दुनिया के कुछ वर्टिकल लिफ्ट ब्रिजों में से एक, पंबन ब्रिज का निर्माण किया गया है। आज देश में बहुत तेजी से मेगा परियोजनाओं पर काम हो रहा है। तमिलनाडु विकसित भारत की ओर बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि मेरा मानना है कि तमिलनाडु की क्षमता का एहसास होने पर देश का समग्र विकास बेहतर होगा। साल 2014 से पहले रेल प्रोजेक्ट के लिए हर साल सिर्फ 900 करोड़ रुपये ही मिलते थे। इस वर्ष तमिलनाडु का रेल बजट 6,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है और भारत सरकार यहां के 77 रेलवे स्टेशनों को मॉडर्न भी बना रही है। इसमें रामेश्वरम का रेलवे स्टेशन भी शामिल है। विकसित भारत के सफर में तमिलनाडु का बहुत बड़ा रोल है। मैं मानता हूं, तमिलनाडु का सामर्थ्य जितना ज्यादा बढ़ेगा, भारत की ग्रोथ उतनी तेज होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेश सरकार को पहुंचाई जा रही मदद का जिक्र किया। उन्होंने कहा, बीते दशक में, तमिलनाडु के विकास के लिए 2014 की तुलना में तीन गुना ज्यादा पैसा केंद्र सरकार की ओर से दिया गया है। तमिलनाडु का बुनियादी ढांचा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिछले एक दशक में राज्य का रेल बजट सात गुना से भी ज्यादा बढ़ गया है। इस महत्वपूर्ण वृद्धि के बावजूद, कुछ लोग बिना किसी औचित्य के शिकायत करना जारी रखते हैं। 2014 से पहले हर साल सिर्फ 900 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते थे। हालांकि, इस साल तमिलनाडु का रेल बजट 6000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। इसके अलावा, भारत सरकार %% रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण कर रही है, जिसमें रामेश्वरम का स्टेशन भी शामिल है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में आगे कहा कि आज राम नवमी का पावन पर्व है, अब से कुछ समय पूर्व अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला का सूर्य की किरणों ने भव्य तिलक किया है। भगवान श्रीराम का जीवन, उनके राज्य से मिलने वाली सुशासन की प्रेरणा राष्ट्र निर्माण का बड़ा आधार है। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे रामनाथस्वामी मंदिर में प्रार्थना करने का अवसर मिला। इस विशेष दिन पर मुझे 8300 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को सौंपने का अवसर मिला। ये रेल और सड़क परियोजनाएं तमिलनाडु में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी। मैं इन परियोजनाओं के लिए तमिलनाडु के अपने भाइयों और बहनों को बधाई देता हूं।

मोदी ने भाजपा स्थापना दिवस को लेकर कहा कि आज रामनवमी है, रामेश्वरम की पवित्र भूमि है, तो मेरे लिए कुछ भावुक पल भी हैं। आज भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस है। सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत के जिस लक्ष्य को लेकर हम चल रहे हैं, उसमें भाजपा के हर एक कार्यकर्ता का परिश्रम है। तीन-तीन, चार-चार पीढ़ियां मां भारती के जय जयकार के लिए खप गई हैं। मेरे लिए गर्व की बात है कि भाजपा के उस विचार ने, भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं के परिश्रम ने आज हमें देश की सेवा का अवसर दिया है। आज देश के लोग भाजपा सरकारों का गुड गर्वनेंस देख रहे हैं, राष्ट्रहित में लिए जा रहे निर्णय देख रहे हैं और हर हिंदुस्तानी का सीना चौड़ा हो रहा है।

मोदी ने रामनाथस्वामी मंदिर में दर्शन किए

रामेश्वरम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को रामनवमी के अवसर पर यहां प्रसिद्ध रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। पारंपरिक 'वेष्टि' (धोती), शर्ट और 'अंगवस्त्रम' (गले में पहना जाने वाला वस्त्र) पहने प्रधानमंत्री रविवार को मंदिर पहुंचे। उन्होंने पिछले साल उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्री राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से पहले मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। मंदिर पहुंचने पर पुजारियों ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया और प्रधानमंत्री ने मंदिर में पूजा-अर्चना की। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि, केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन और भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के अन्नामलाई उनके साथ थे।

प्रधानमंत्री यहां नए पंबन पुल का उद्घाटन करने और विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास करने आए थे। वह पड़ोसी देश श्रीलंका की अपनी आधिकारिक यात्रा पूरी करने के बाद यहां आए थे।

भाजपा ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में स्टालिन के शामिल नहीं होने को उनका 'अपमान' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के रविवार को राज्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आधिकारिक कार्यक्रम में शामिल नहीं होने की भाजपा ने कड़ी आलोचना की और उन पर प्रधानमंत्री का 'अपमान' करने का आरोप लगाया तथा माफी मांगने की मांग की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने स्टालिन द्वारा संसदीय परिसीमन प्रक्रिया का उल्लेख किये जाने को 'नाटक' करार दिया।

स्टालिन रविवार को एक सरकारी अस्पताल का उद्घाटन करने के लिए पर्वतीय शहर उधगमंडलम (ऊटी) में थे। स्टालिन ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री को रामेश्वरम में उनके कार्यक्रम में शामिल होने में अपनी असमर्थता से अवगत करा दिया था। स्टालिन ने उधगमंडलम में सभा को संबोधित करते हुए कहा, हमने परिसीमन पर ज्ञापन प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा है...चूंकि मैं इस सरकारी समारोह में भाग ले रहा हूं, इसलिए मैंने उन्हें (प्रधानमंत्री को) उनकी सभा में भाग लेने में असमर्थता से अवगत करा दिया है। मैंने इस कार्य (मोदी की सभा में शामिल होने) के लिए अपने मंत्रियों-- टी थेन्नारसु और राजा कन्नप्पन को भेजा है। इस सभा के माध्यम से मैं प्रधानमंत्री से परिसीमन की आशंकाओं को दूर करने का अनुरोध करता हूं।

इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए अन्नामलाई ने कहा कि यह खेद की बात है कि स्टालिन प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे। अन्नामलाई ने यहां संवाददाताओं से कहा, उनके (मुख्यमंत्री स्टालिन) द्वारा दिया गया कारण स्वीकार्य नहीं है। उन्हें प्रधानमंत्री के आगमन के बारे में पता था, क्योंकि इस पर लंबे समय से चर्चा चल रही थी। प्रधानमंत्री श्रीलंका से सीधे दिल्ली नहीं गए, बल्कि परियोजनाओं को समर्पित करने के लिए यहां आए थे। ऐसे में प्रधानमंत्री का स्वागत करना मुख्यमंत्री का प्राथमिक कर्तव्य है।''

उन्होंने स्टालिन पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने मखौल उड़ाते हुए कहा, वे ऊटी गए क्योंकि रामेश्वरम में बहुत गर्मी है और वे गर्मी बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि भाजपा मुख्यमंत्री के (प्रधानमंत्री के) कार्यक्रम में शामिल नहीं होने की कड़ी निंदा करती है। भाजपा नेता अन्नामलाई ने आरोप लगाया, मुख्यमंत्री अपना कर्तव्य निभाने में विफल रहे हैं, उन्हें प्रधानमंत्री को उचित सम्मान देना चाहिए था। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का अपमान किया है, जो तमिलनाडु के लोगों के लिए आए थे। उन्हें तमिलनाडु के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। वह परिसीमन के बारे में बोलकर राजनीति कर रहे हैं।

रविवार को उधगमंडलम में स्टालिन ने जिले के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 700 बिस्तरों वाली एक नयी स्वास्थ्य इकाई का उद्घाटन और निरीक्षण किया और विभिन्न विकास योजनाओं की शुरुआत की।

प्रधानमंत्री को परिसीमन प्रक्रिया पर तमिलनाडु की आशंकाओं को दूर करना चाहिए : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उधगमंडलम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया को लेकर राज्य के लोगों की आशंकाओं को दूर करना चाहिए। स्टालिन ने यहां एक आधिकारिक कार्यक्रम में कहा कि मोदी को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि संसद में एक प्रस्ताव पारित किया जाए ताकि तमिलनाडु के अधिकारों पर अंकुश न लगे। यहां लोकप्रिय पर्यटन स्थल के लिए कई परियोजनाओं का उद्घाटन करने और नयी योजनाओं की घोषणा करने के बाद स्टालिन ने कहा कि उन्होंने प्रस्तावित परिसीमन से जुड़ी चिंताओं पर ज्ञापन सौंपने के लिए प्रधानमंत्री से मिलने का समय मांगा है।

स्टालिन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, हमने परिसीमन पर ज्ञापन प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा है। चूंकि मैं इस सरकारी समारोह में भाग ले रहा हूं, इसलिए मैंने उन्हें उनकी सभा में भाग लेने में असमर्थता से अवगत करा दिया है। मैंने इस कार्य (मोदी की सभा में शामिल होने) के लिए अपने मंत्रियों-- टी थेन्नारसु और राजा कन्नप्पन को भेजा है। इस सभा के माध्यम से मैं प्रधानमंत्री से परिसीमन की आशंकाओं को दूर करने का अनुरोध करता हूं। स्टालिन रविवार को मोदी के तमिलनाडु के रामेश्वरम दौरे का जिक्र कर रहे थे, जहां प्रधानमंत्री ने नये पंबन पुल का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा, ''आपको (मोदी को) यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि इस संबंध में संसद में एक प्रस्ताव पारित हो। इससे (परिसीमन से) न केवल संसदीय सीट में कमी आएगी, बल्कि इसके बारे में पूछना हमारा अधिकार भी है। साथ ही यह हमारे भविष्य के लिए चिंता का विषय भी है।'' उन्होंने कहा, ''पुडुचेरी को मिलाकर 40 संसदीय सीट होंगी। लेकिन (केंद्र में) सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार परिसीमन के जरिये हमारी आवाज दबाने की कोशिश कर रही है।''

स्टालिन ने कहा कि निष्पक्ष परिसीमन पर संयुक्त कार्रवाई समिति की बैठक 22 मार्च को चेन्नई में आयोजित की गई थी जिसमें देशभर से मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख नेताओं ने भाग लिया था। स्टालिन ने सभा को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी को स्पष्ट गारंटी देनी चाहिए कि तमिलनाडु और अन्य राज्य, जिन्होंने जनसंख्या वृद्धि को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया है, आगामी परिसीमन प्रक्रिया में दंडित नहीं किए जाएंगे। स्टालिन ने कहा, ''प्रतिशत के लिहाज से उनकी (तमिलनाडु की) संसदीय सीटों की हिस्सेदारी अपरिवर्तित रहेगी। उन्हें यह वादा सार्वजनिक रूप से करना चाहिए, तमिलनाडु के लोगों के मन में भय को दूर करना चाहिए और संसद में संविधान संशोधन के जरिए इसे आगे बढ़ाना चाहिए। निष्पक्ष परिसीमन सुनिश्चित करने का यही एकमात्र तरीका है।'' उन्होंने कहा कि तमिलनाडु परिसीमन प्रक्रिया का विरोध करने वाला एकमात्र राज्य था जिसने आरोप लगाया कि केंद्र ने राज्य के संसदीय प्रतिनिधित्व को कम करने की साजिश रची है। उन्होंने चेतावनी दी, अगर (वर्तमान स्वरूप में परिसीमन) मूर्त रूप लेता है तो इससे संसद में राज्य को भारी नुकसान होगा। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी के सांसदों ने संसद में परिसीमन मुद्दे, कथित तौर पर हिंदी थोपे जाने तथा तमिलनाडु को धन आवंटन के मुद्दे पर चिंता जतायी है।

इससे पहले स्टालिन ने जिले के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 700 बिस्तरों वाली एक नयी स्वास्थ्य इकाई का उद्घाटन और निरीक्षण किया जिसे 143.69 करोड़ रुपये के खर्च से बनाया गया है। उन्होंने स्वीकार किया कि उधगमंडलम जैसे पहाड़ी क्षेत्र में अस्पताल का निर्माण चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इस परियोजना को वास्तविकता बनाने के लिए उन्होंने मंत्री ई वी वेलु (लोक निर्माण मंत्री) के प्रयासों को श्रेय दिया। राज्य की पूर्ववर्ती अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) सरकार पर निशाना साधते हुए स्टालिन ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री (ई के पलानीस्वामी) ने एक अस्पताल स्थापित करने का प्रस्ताव रखा था लेकिन इसे वर्तमान सरकार के दौरान ही मूर्त रूप दिया जा सका। यहां के अपने दौरे के दौरान स्टालिन ने उधगमंडलम के लिए कई परियोजनाओं की घोषणा भी की जिसमें एक बहु-स्तरीय कार पार्किंग सुविधा, 'हॉप-ऑन, हॉप-ऑफ' पर्यटक बस सुविधा शामिल है।

तमिलनाडु में भारी बारिश का येलो अलर्ट

चेन्नई। मौसम विभाग ने तमिलनाडु के कई इलाकों में भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की गई है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने बताया कि रविवार और सोमवार को तमिलनाडु के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में चक्रवाती परिसंचरण के कारण भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के मुताबिक, कोयंबटूर के घाट इलाकों के साथ-साथ नीलगिरी, थेनी, डिंडीगुल और तेनकासी जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। रविवार को राज्य के कई हिस्सों में गरज, बिजली और तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, मौजूदा मौसम का पैटर्न एक चक्रवाती परिसंचरण के कारण है, जो समुद्र तल से 3.1 किलोमीटर तक फैला हुआ है। इसके साथ ही, एक ट्रफ (निम्न दबाव का क्षेत्र) मध्य महाराष्ट्र से उत्तरी तमिलनाडु तक, आंतरिक कर्नाटक के रास्ते फैली हुई है। दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और इसके आसपास के क्षेत्रों में एक निम्न दबाव का ट्रफ भी बारिश में योगदान दे रहा है। दक्षिणी तमिलनाडु में 5 अप्रैल को व्यापक बारिश हुई। वहीं, तिरुपुर उत्तर में 11 सेमी बारिश दर्ज की गई, जबकि कन्याकुमारी के कोझीपोरविलई में 19 सेमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसके अलावा, चेन्नई में रविवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हल्की बारिश की उम्मीद जताई गई है। इस दौरान अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 27-28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

आरएमसी ने कहा कि तमिलनाडु पर पहले बना चक्रवाती परिसंचरण कमजोर हो गया है। अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव की उम्मीद नहीं है। हालांकि, 7 से 9 अप्रैल के बीच तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग इलाकों में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की संभावना है। इस अवधि के दौरान दिन का तापमान मौसमी औसत से ऊपर बढ़ सकता है, खासकर आंतरिक क्षेत्रों में्। तमिलनाडु में चल रहे पूर्वोत्तर मानसून के दौरान मौसमी औसत से 14 डिग्री सेल्सियस अधिक बारिश हुई है। राज्य में 44 प्रतिशत मिमी बारिश दर्ज की गई, जो कि मौसमी मानक 393 मिमी से अधिक है। सिर्फ चेन्नई में 845 मिमी बारिश हुई है, जो औसत से 16 प्रतिशत अधिक है। वहीं, कोयंबटूर में सामान्य की तुलना में बारिश में 47 प्रतिशत रिकॉर्ड की गई है।

केरल में विपणन कंपनी पर कर्मचारियों को प्रताड़ित करने का आरोप

कोच्चि/भाषा। केरल के कोच्चि में स्थित एक निजी विपणन कंपनी पर अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन न कर पाने वाले अपने कर्मचारियों के साथ अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगा है। घटना के दृश्य स्थानीय टीवी चैनलों पर शनिवार को प्रसारित होने के बाद राज्य श्रम विभाग ने जांच का आदेश दिया। घटना के एक दृश्य में एक व्यक्ति को कुत्ते की तरह गले में पट्टा बांधकर ले जाते हुए देखा जा सकता है। पुलिस और श्रम विभाग ने भी दृश्य की प्रामाणिकता की जांच शुरू कर दी है।

हालांकि, इस मामले में एक नया मोड़ आ गया जब वीडियो में प्रताड़ित किये जा रहे व्यक्ति ने मीडिया को बताया कि कंपनी में किसी भी तरह का उत्पीड़न नहीं हुआ। व्यक्ति ने दावा किया, मैं अब भी कंपनी में काम कर रहा हूं... ये दृश्य कुछ महीने पहले के हैं और तत्कालीन प्रबंधक ने इन्हें जबरन रिकॉर्ड किया था। बाद में प्रबंधन ने उनकी सेवा समाप्त कर दी और अब वह इन दृश्यों का इस्तेमाल मालिक की छवि खराब करने के लिए कर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि संबंधित व्यक्ति ने पुलिस और श्रम विभाग के अधिकारियों के सामने भी यही बयान दिया है। इससे पहले दिन में श्रम मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने इस घटनाक्रम की जांच के आदेश दिए और जिला श्रम अधिकारी को तत्काल रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। वीडियो में देखा गया कि एक व्यक्ति को कुत्ते की तरह घुटनों के बल रेंगने के लिए मजबूर किया जा रहा है। बाद में, खुद को कंपनी का कर्मचारी बताते हुए कुछ लोगों ने एक टीवी चैनल से कहा कि निर्धारित कार्य को पूरा नहीं करने वाले कर्मचारियों को प्रबंधन इस तरह की सजा देता है। पुलिस के अनुसार, यह घटना कालूर में स्थित एक निजी विपणन कंपनी से जुड़ी बताई जा रही है जबकि कथित अपराध पेरुम्बवूर में हुआ। पुलिस ने पत्रकारों को बताया कि उन्हें इस संबंध में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है और कंपनी के मालिक ने आरोपों से इनकार किया है। एक अधिकारी ने बताया, अब तक कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है, लेकिन जांच जारी है।

केरल के श्रम मंत्री शिवनकुट्टी ने इन दृश्यों को चौंकाने वाला और परेशान करने वाला बताया और कहा कि केरल जैसे राज्य में इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, मैंने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं और जिला श्रम अधिकारी को निर्देश दिया है कि वे जांच कर इस संबंध में रिपोर्ट सौंपें।

वक्फ की संपत्तियों पर 'बाहुबलियों' का कब्जा, गरीब मुसलमानों को कोई फायदा नहीं हुआ : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने रविवार को कहा कि 'बाहुबलियों' ने वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर कब्जा कर लिया और वहां होटल व दुकानें बना दी जबकि गरीब मुसलमानों को इसका कोई लाभ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम गरीब मुसलमानों और महिलाओं के अधिकारों को सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। राठौड़ ने यहां संवाददाताओं से कहा, वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर 'बाहुबलियों' ने कब्जा कर फाइव स्टार होटल बना दिए। मुस्लिम समाज के लोगों ने दुकानें बना दीं और उनसे कमाई कर रहे हैं। लेकिन मुस्लिम समाज के गरीब लोगों को इसका कोई लाभ नहीं मिला।

उन्होंने कहा, आज मुस्लिम समाज में

कितनी गरीबी है? टायर पंक्चर निकालने से ज्यादा आगे नहीं बढ़ने दिया उनको। हम चाहते हैं कि वो भी समृद्ध बनें। यह हमारी सोच है। राठौड़ ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित हो चुका है और इसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिल चुकी है, जिससे यह कानून बन गया है। उन्होंने कहा, गरीब मुस्लिम लोगों को इस कानून का फायदा मिलना चाहिए। इसके लागू होने के बाद वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण अनिवार्य होगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वक्फ की जमीन बोर्ड के पास ही रहे।

राठौड़ ने कहा कि महिलाओं सहित मुस्लिम समुदाय के सदस्यों को वक्फ समिति में प्रतिनिधित्व मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि विभाजन के समय पाकिस्तान चले गए लोगों की संपत्ति वक्फ ने अपने कब्जे में ले ली थी जबकि पाकिस्तान से आए हिंदुओं की संपत्ति पर वहां के लोगों ने कब्जा कर लिया। राठौड़ ने कहा कि वक्फ बोर्ड की भूमि का क्षेत्रफल बहुत बड़ा है।

राठौड़ ने कहा कि 2006 में वक्फ कमेटी की भूमि चार लाख एकड़ थी, जो आज साढ़े आठ लाख एकड़ हो गई तो यह संपत्ति कहां से आई? प्रदेशाध्यक्ष ने दावा किया कि 2006 में वक्फ संपत्तियों से आय 163 करोड़ रुपये थी, जो अब केवल तीन करोड़ रुपये बढ़कर 166 करोड़ रुपये हुई है। राठौड़ ने कहा कि वक्फ बोर्ड जरूरतमंदों की सहायता करने में विफल रहा है और इसके संसाधनों का सत्ताधारी लोगों द्वारा दुरुपयोग किया गया।

शाह ने 108 कुण्डीय रुद्र महा मृत्युंजय महायज्ञ की महापूर्णाहुति एवं सनातन सम्मेलन में लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटपुतली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को राजस्थान के कोटपुतली में 108 कुण्डीय रुद्र महा मृत्युंजय महायज्ञ की महापूर्णाहुति एवं सनातन सम्मेलन में भाग लिया। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। शाह ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा बस्ती नाथ ने लगातार एक साल तक समाज के हर वर्ग को जोड़कर इस सनातन महायज्ञ का एक महान प्रयास किया है।

उन्होंने कहा कि यहीं पर एक वर्ष पहले 108 कुंडीय महा मृत्युंजय महायज्ञ शुरू हुआ और आज इसका समापन होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली रामनवमी से इस वर्ष रामनवमी तक हर पांच दिन में समाज के हर हिस्से से एक जोड़े ने पवित्र भाव के साथ 108 कुंडीय यज्ञ पर बैठकर प्रकृति के संरक्षण, सनातन के प्रचार और अपनी आत्मा की शुद्धि के लिए यहां यज्ञ किया है। शाह ने कहा कि समाज को जोड़ने, व्यक्तियों को धर्ममय बनाने और पर्यावरण की सेवा करने वाला ऐसा प्रयास आज तक नहीं देखा है। उन्होंने कहा कि इस आश्रम में बाबा बालनाथ की प्रेरणा से 16 साल से लगातार यज्ञ का आयोजन बाबा बस्तीनाथ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनेक भक्तों ने यहां आकर कई प्रकार के व्यसनों का त्याग किया, नशामुक्ति की प्रतिज्ञा की, सामाजिक समरसता का प्रतीक बने और बाबा बालनाथ की समाधि को और ऊर्जा और शक्ति प्रदान करने का काम किया।

उन्होंने कहा कि इस अखंड धूनि को एक महासिद्ध योगी ने शुरू किया और बाबा बस्तीनाथ इसे आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में अनेक संत, महापुरुष, ऋषि, मुनि रहे हैं और बाबा बालनाथ भी ऐसे एक महायोगी थे जिन्होंने इसी भूमि पर जन्म लेकर देश-विदेश में 84 धूनियों की स्थापना कर अपने पूरे जीवन को धर्ममय बनाने का काम किया। उन्होंने कहा कि मानव योनि के 84 चक्रों से मुक्ति प्राप्त कर जब उन्होंने समाधि ली तब यह स्थान उनके तप से बेहद ऊर्जावान हो गया। शाह ने कहा कि यहां कई हताश मन और जीवन को आशा मिली है, निराश लोगों को चेतना मिली है, बेसहारा लोगों को धर्म का सहारा मिला है और बेज़ुबान जीवों पर दया के माध्यम से जीवन आगे बढ़े हैं।

उन्होंने कहा कि आज बाबा बालनाथ के सत्य और तपस्या में विश्वास रखने, वैराग्य और सेवा को जीवन का आधार बनाने, प्राकृतिक जीवन जीने और पशु-पक्षियों की सेवा करने के सिद्धांतों को बाबा बस्तीनाथ आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बाबा बस्तीनाथ ने भी अपने गुरू की तरह ही लोकधर्म, लोककल्याण, सनातन धर्म, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता के लिए अनेक प्रकार के प्रकल्प हाथ में लेकर उन्हें आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि महाप्रभु आदिनाथ से लेकर नौ गुरुओं और उनके बाद ऊर्जा के अनेक वाहकों के माध्यम से सनातन धर्म को नाथ संप्रदाय ने शक्ति देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु के सभी तत्वों को मिलाकर आत्मज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नाथ संप्रदाय में धूनि को माना गया है।

सरसों एवं चने की खरीद शुरु नहीं करने से किसानों को हुए घाटे की सरकार करें भरपाई : जाट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। किसानों के प्रति सरकार की अनदेखी के चलते सरसों और चने की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद में देरी करने से किसानों को सरसों में 265 करोड़ रुपए से अधिक का घाटा उठाना पड़ रहा है जिसकी भरपाई सरकार को करनी चाहिए। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने अपने बयान में यह आरोप लगाते हुए राज्य सरकार से यह मांग की। उन्होंने कहा कि गत 15 फरवरी से 25 मार्च तक राजस्थान की मंडियों में सरसों की आवक की मात्रा 37 लाख 87 हजार 513 क्विंटल रही। सरसों का एमएसपी 5950 रुपए प्रति क्विंटल है और बाजार भाव 4600 से लेकर 5500 रुपए प्रति क्विंटल तक रहे। सामान्यतया एक क्विंटल पर 700 रुपए का घाटा रहा और इस हिसाब से इस अवधि में किसानों को दो अरब 65 करोड़ 12 लाख रुपए से अधिक का घाटा उठाना पड़ा।

उन्होंने कहा कि सरसों मंडियों में 15 फरवरी से आना आरंभ हो गई थी। पिछले तीन वर्षों से किसानो की ओर से खरीद 15 फरवरी से आरंभ करने के लिए अनुरोध किया जा रहा है। इसके संबंध में राज्य एवं केन्द्र के अधिकारियों एवं सत्ताधारी राजनेताओं को ज्ञापन दिए जा रहे हैं और वार्ता भी हुई। केंद्रीय कृषि एवं कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी वार्ता हुई। राजस्थान से केंद्र सरकार में कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी को भी ज्ञापनों के माध्यम से निवेदन किया गया लेकिन किसानों के लिए इस बारे में कोई ध्यान नहीं दिया गया।

जाट ने कहा कि इसी प्रकार चने के उत्पादन में राजस्थान का तीसरा स्थान रहता है और चना की खरीद के लिए भी 15 मार्च से खरीद करने का आग्रह किया जा रहा है मगर सरकार ने किसानों की पीड़ा पर ध्यान ही नहीं दिया और फसल की आवक के साथ एमएसपी पर खरीद शुरु नहीं होने से व्यापारियों को कम दामों में खरीदने का अवसर मिल गया। उन्होंने बताया कि राजस्थान में सरसों का उत्पादन पांच करोड़ 55 लाख 70 हजार 290 क्विंटल तथा चना का उत्पादन दो लाख 51 लाख 78 हजार 710 क्विंटल है। सरकार की ओर से इन दोनों की खरीद 10 अप्रैल से आरंभ करने की घोषणा की गई है। सरसों की आवक से दो महीने तथा चने की आवक से एक महीने का विलंब सरकार की ओर से किया गया है जबकि यह खरीद फसल की आवक के साथ ही शुरु की जा सकती थी।

इसलिए किसानों को हुए घाटे की भरपाई के लिए सरकार उत्तरदायी होना चाहिए और यह भरपाई केंद्रीय योजना कमी मूल्य भुगतान के तहत की जानी चाहिए।

भाजपा ने समारोहपूर्वक मनाया स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में राजधानी जयपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 46वां स्थापना दिवस रविवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शर्मा एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी का झण्डा फहराया। उन्होंने मां भारती, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर स्थापना दिवस की बधाई दी। इस दौरान शर्मा ने कार्यालय में आयोजित स्थापना दिवस प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में जनसंघ एवं भाजपा के इतिहास, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्षों एवं प्रदेशाध्यक्षों के बारे में जानकारी दी गई।

इसके अतिरिक्त पार्टी के पांच प्रण, संगठन के सात सूत्र तथा बूथ स्तर पर आयोजित किए जाने वाले छह अनिवार्य कार्यक्रमों को भी होर्डिंग्स के माध्यम से दर्शाया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डा प्रेम चन्द बैरवा, भाजपा के विधायक, वरिष्ठ नेता एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने जयपुर में बालाजी टावर स्थित अपने आवास पर भी मदन राठौड़ के साथ पार्टी का झंडा फहराया। इसी तरह इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने हवामहल विधानसभा के पौंड्रिक मंडल में वार्ड संख्या 27 के बूथ संख्या 95 में बूथ अध्यक्ष सुभाष बिंदल के आवास पर पार्टी का झंडा फहराया।

सम के गोडावण संरक्षण केन्द्र में चार बच्चों ने लिया जन्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर जिले के सम गांव के पास स्थित सुदासरी के गोडावण संरक्षण केन्द्र में केपेटिव ब्रीडिंग से ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) के चार बच्चों ने जन्म लिया है। धरती पर तेजी से लुप्त हो रहे राज्य पक्षी, शेड्यूल फर्स्ट के वन्य जीव प्राणी दी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण एवं आबादी बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासो में यह बड़ी सफलता मिली है। इनमें तीन गोडावण के चूजों ने एक ही दिन दो अप्रैल को जन्म लिया था,जबकि एक अन्य गोडावण का जन्म 29 मार्च को हुआ था। इसको मिलाकर पिछले दो सालों में 20 गोडावण केपेटिव ब्रीडिंग से जन्म ले चुके है। डेजर्ट नेशनल पार्क (डीएनपी) विभागीय वन अधिकारी बृजमोहन गुप्ता ने बताया कि सम स्थित डेजर्ट नेशनल पार्क में सुदासरी गोडावण संरक्षण केन्द्र में केपेटिव ब्रीडिंग के बाद पैदा हुए अंडों की कृत्रिम हैचिंग के बाद एक ही दिन में तीन गोडावण चूजों ने जन्म लिया जिसको लेकर वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने कैद में पाले गए ग्रेट इंडियन बस्टर्ड चूजे के सफलतापूर्वक कृतिम रूप से अंडे सेने की रोमांचक अच्छी खबर शुक्रवार को साझा की।

उन्होंने बताया कि इससे पहले 29 मार्च को भी इसी सेंटर में एक चूजे का जन्म हुआ था। इस तरह वर्ष 2025 में अब तक छह दी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के चूजे जन्म ले चुके हैं। तथा अब जैसलमेर में सुदासरी और रामदेवरा दोनों जगह मिलाकर गोडावण की संख्या बढ़कर 50 हो गई है। इसमे रामदेवरा में 28 एवं सुदासरी में 22 गोडावण हो गए हैं। गुप्ता ने बताया कि चार नए चूजों को चार मादा गोडावण ने जन्म दिया है।

राष्ट्रीय संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम के तहत मिली इस सफलता से वन्यजीव संरक्षण विशेषज्ञों और प्रकृति प्रेमियों में उत्साह है। उन्होंने बताया कि सम प्रजनन केंद्र में जन्मे इन चूजों की विशेष बात यह है कि इनका प्रजनन प्राकृतिक संबंधों और कृत्रिम हैचिंग की प्रक्रिया का परिणाम है। पहले हैचिंग से जन्मे मेल गोडावण लियो ने तीन मादा गोडावणों रीवा, अमन, शार्की के साथ प्राकृतिक समागम किया था और इससे 11 और 12 मार्च को तीनों ही मादा गोडावणों ने अंडे दिए थे सम ब्रिडिंग सेंटर में मादा द्वारा दिए गए अंडों को कृत्रिम रूप से हेच किया गया था और दो अप्रैल को अंडों से गोडावण के तीन चूजों ने जन्म लिया था। इस प्रक्रिया को नियंत्रित करने में सम केंद्र के वैज्ञानिकों ने बेहद सावधानी बरती और इसका परिणाम सफलतापूर्वक प्राप्त हुई है।

गुप्ता ने बताया कि छह मार्च को टोनी नाम की एक पांच वर्षीय मादा ने सम कंजर्वेशन ब्रीडिंग सेंटर में एक प्रजनन चार साल के नर, लियो के साथ संभोग करने के बाद अंडा दिया था। अंडे को प्रोजेक्ट त्रढक्त के तहत काम करने वाली समर्पित टीम द्वारा कृत्रिम रूप से हैच किया गया था, जिसके बाद 29 मार्च को एक गोडावण के चूजे ने जन्म लिया था। इसको मिलाकर अब तक पिछले दो सालों में केपेटिव ब्रीडिंग से 20 नए गोडावण के बच्चे जन्म ले चुके हैं।

कन्या पूजन

जयपुर में रविवार को रामनवमी के मंगल अवसर पर कन्या पूजन करती उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी।

दुर्गा शक्ति और भगवान राम का पूजन कर यज्ञ में दीं आहुतियां

जयपुर। चैत्र के वासंतिक नवरात्र रविवार को कन्या पूजन और हवन के साथ संपन्न हुए। मां दुर्गा और भगवान राम के मंदिरों में यज्ञ में आहुतियां अर्पित की गई । मां दुर्गा और भगवान राम के मंत्रों से विशिष्ट आहुतियां प्रदान की गई। इसी कड़ी में गायत्री परिवार के सभी प्रज्ञा केन्द्रों पर पंच कुंडीय और नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ तथा संस्कार महोत्सव के कार्यक्रम हुए। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी, गायत्री शक्तिपीठ वाटिका, गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़ और किरण पथ मानसरोवर स्थित गायत्री वेदना निवारण केन्द्र में नवरात्रीय अनुष्ठान की पूर्णाहुति में हजारों लोगों ने यज्ञ में आहुतियां अर्पित की। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी में व्यवस्थापक सोहनलाल शर्मा सह व्यवस्थापक और मणि शंकर चौधरी के सानिध्य में प्रारंभ में देव माता गायत्री और गुरुसत्ता का पूजन किया गया। आचार्य पीठ से दिनेश भारद्वाज, डॉ अजय भारद्वाज, दिनेश कुमार और दृष्टि ने विधि विधान और प्रज्ञा गीतों के साथ यज्ञ संपन्न कराया। चार पारियों में करीब पांच सौ श्रद्धालुओं ने यज्ञ किया।

डॉ अजय भारद्वाज ने कहा कि जिस प्रकार असुरों का सामना करने के लिए सभी देवताओं ने संगठित होकर मुकाबला किया वैसे ही हमें आसुरी शक्तियों का मुकाबला करने के लिए सभी मतभेद भूलकर एकजुट होना होगा ।।यही दुर्गा पूजन का कार्य है।किरण पथ मानसरोवर के वेदना निवारण केन्द्र में तीन पारियों में करीब पांच सौ लोगों नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ में आहुतियां दीं। गायत्री परिवार राजस्थान के समन्वक ओमप्रकाश अग्रवाल, वरिष्ठ परिजन सतीश भाटी सहित अन्य उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सुनी जनता की समस्याएं, रामनवमी की दी शुभकामनाएं

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को जोधपुर पहुंचे। अपने निवास पर उन्होंने आमजन से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की स्थापना दिवस और पार्टी की उपलब्धियों के साथ-साथ हाल ही में पारित वक्फ बिल पर अपनी बात रखी। साथ ही रामनवमी के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी।

शेखावत ने कहा कि भाजपा अपनी स्थापना के समय से ही एक स्पष्ट लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। भारतीय जनता पार्टी का उद्देश्य भारत को विश्व के शक्तिशाली और समृद्ध देशों की श्रेणी में खड़ा करना है। 1980 से लेकर अब तक के सफर में पार्टी कार्यकर्ताओं के परिश्रम और समर्पण से यह संभव हुआ है। आज भाजपा न केवल दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ सरकार चला रही है। वक्फ पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, लाखों एकड़ जमीन, जो वक्फ संपत्ति के रूप में गरीब मुसलमानों के कल्याण के लिए दान की गई थी, उसका दुरुपयोग कुछ चुनिंदा लोग कर रहे थे। इस संपत्ति में व्याप्त भ्रष्टाचार ने जरूरतमंदों को उनके हक से वंचित रखा था। इस बिल के पारित होने से न केवल इस अन्याय को खत्म करने का रास्ता खुला है, बल्कि एक नए युग की शुरुआत भी हुई है। जिन लोगों के निजी स्वार्थ इस बिल से प्रभावित हो रहे हैं, वही इसका विरोध कर रहे हैं।

शर्मा ने कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन ग्रहण करवाया

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को चैत्र नवरात्र की नवमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री निवास पर सपरिवार मां दुर्गा का पूजन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री निवास परिसर स्थित राजराजेश्वरी मंदिर में पूर्ण विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और हवन में पूर्णाहुति देकर देवी मां की आराधना की।फशर्मा ने देवी स्वरूपा कन्याओं का विधिवत पूजन किया और उन्हें भोजन ग्रहण करवाया।

इस अवसर पर उन्होंने मां जगदम्बा से समस्त प्रदेशवासियों का जीवन सुख, समृद्धि से परिपूर्ण होने तथा राजस्थान के उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर होने की प्रार्थना की।

वक्फ बोर्ड पर नियंत्रण नहीं चाहती सरकार : नड्डा

कानून के अनुसार कामकाज सुनिश्चित होना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार वक्फ बोर्ड को नियंत्रित नहीं करना चाहती बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहती है कि वे कानून के दायरे में काम करें ताकि उनकी संपत्ति का इस्तेमाल मुस्लिम समुदाय में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार को बढ़ावा देने में किया जा सके।

पार्टी के 46वें स्थापना दिवस के अवसर पर यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि तुर्किये और कई अन्य मुस्लिम देशों की सरकारों ने वक्फ संपत्तियों को अपने नियंत्रण में ले लिया है। उन्होंने कहा, ''हम (वक्फ बोर्ड का) संचालन कर रहे लोगों से बस यह कह रहे हैं कि आप नियमों के अनुसार काम करें। आपको यह काम नियमानुसार करना होगा।''

नड्डा ने कहा, ''हम वक्फ बोर्ड पर नियंत्रण नहीं चाहते। हमारा लक्ष्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि इसका प्रबंधन करने वाले लोग कानून के दायरे में काम करें और स्थापित नियमों का पालन करें। वक्फ बोर्ड की संपत्ति और धन मुस्लिम समुदाय के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित होगा।''

नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करने से पहले भाजपा प्रमुख ने मुख्यालय में पार्टी का झंडा फहराया। इस अवसर पर सांसद और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित पार्टी के कई नेता मौजूद थे।

वर्ष 1951 में भारतीय जनसंघ से शुरू हुई भाजपा की राजनीतिक यात्रा को याद करते हुए नड्डा ने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है और आज कई राज्यों में सत्ता में है। उन्होंने कहा कि भाजपा कभी भी अपनी मूल विचारधारा से नहीं हटी है जबकि कांग्रेस वर्षों से अपनी ''वैचारिक कमजोरी'' के कारण पतन का सामना कर रही है।

नड्डा ने भाजपा की सफलता का श्रेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी जैसे पार्टी दिग्गजों को दिया। उन्होंने कहा, ''आज, लोकसभा में भाजपा के 240, राज्यसभा में 98 से अधिक सदस्य और देश भर में 1,600 से अधिक विधायक हैं। हमने अभी-अभी अपना सदस्यता अभियान समाप्त किया है और भाजपा सदस्यों की संख्या 13.5 करोड़ को पार कर गई है। देश भर में हमारे 10 लाख से अधिक सक्रिय पार्टी कार्यकर्ता हैं।''

नड्डा ने कहा कि भाजपा एकमात्र राजनीतिक पार्टी है जिसने ''वैज्ञानिक वृद्धि'' देखी है। उन्होंने कहा, ''संगठन का विस्तार करना और चुनाव जीतना एक कला एवं विज्ञान है।'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''हालांकि हमारे विरोधी संसद में हम पर कटाक्ष करते हैं, लेकिन वे यह भी कहते हैं कि हम दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी हैं। यहां तक कि हमारे विरोधी भी हमारी ताकत को पहचानते हैं।''

प्रभु श्री राम का जीवन मर्यादित आचरण की प्रेरणा देता है : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को रामनवमी की बधाई देते हुए रविवार को कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम जीवन में मर्यादित आचरण और हर परिस्थिति में धैर्यवान होकर चुनौतियों से जूझने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री ने रामनवमी के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज की पावन तिथि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मदिन से भी जुड़ी है। प्रदेश के हर देवालय में अखंड रामायण का पाठ कल से शुरू हुआ है। अयोध्या धाम में भी उत्सव और उमंग का माहौल है। लाखों की संख्या में श्रद्धालुजन प्रभु श्री रामलला के जन्मोत्सव में भाग लेने के लिए अयोध्या धाम पहुंचे हुए हैं। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत जीवन हो या पारिवारिक जीवन, सार्वजनिक जीवन हो या राष्ट्रीय जीवन, सामाजिक रिश्ते हों या राष्ट्रीय रिश्ते उनका निर्वहन कैसे होना चाहिए इसके लिए मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम का उच्च जीवन आदर्श हमें प्रेरणा प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा,'' दैनिक जीवन में भी सभी लोगों का दायित्व बनता है कि वह बेटा और बेटी के बीच में भेदभाव ना करें। मातृशक्ति कोई भी अन्याय और अत्याचार से न गुजरे तभी हम एक समर्थ और सशक्त भारत की परिकल्पना को साकार कर पाएंगे।

'राष्ट्र प्रथम' भाव के साथ सेवा, सुशासन और जन कल्याण को समर्पित है भाजपा : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस पर कहा कि सत्तारूढ़ दल 'राष्ट्र प्रथम' के भाव के साथ सेवा, सुशासन और जन कल्याण को समर्पित है। मुख्यमंत्री योगी ने 'एक्स'पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्र प्रथम' भाव के साथ सेवा, सुशासन और जन-कल्याण को समर्पित भारतीय जनता पार्टी का ध्वज मेरा गौरव, मेरी प्रेरणा है। उन्होंने कहा, आज (रविवार को) भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर मेरा सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान है कि अपने घर/कार्यालय पर भाजपा के ध्वज को फहराएं और भाजपा विकास भारत के साथ अपनी तस्वीर साझा करें। योगी ने कहा, यह भाजपा के उन सभी महान विभूतियों को श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने अपने अथक परिश्रम, संघर्ष और त्याग से पार्टी को सींचकर इस ऊंचाई तक पहुंचाया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी ने भाजपा के स्थापना दिवस पर गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित हिंदू सेवाश्रम भवन की छत पर पार्टी का झंडा फहराया।

वक्फ विधेयक को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने से कुछ हासिल नहीं होगा : बीएल वर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बदायूं/भाषा। केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने संसद में पारित वक्फ संशोधन अधिनियम को कुछ पार्टियों द्वारा उच्चतम न्यायालय में चुनौती दिए जाने की तैयारी की खबरों के बीच रविवार को कहा कि विधेयक को अदालत में चुनौती देने से कोई नतीजा नहीं निकलेगा। उन्होंने कहा कि यह विधेयक गरीब और हाशिए पर खड़े मुसलमानों के हित में लाया गया है।

वर्मा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए वक्फ संशोधन विधेयक को सही ठहराया और कहा कि इसे संसद में भारी समर्थन मिला है और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की ताकत को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, वक्फ संशोधन विधेयक को भारी बहुमत से पारित किया गया है। कुछ लोग इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय जा सकते हैं, लेकिन इससे कुछ नहीं होने वाला है।

वर्मा ने जोर देकर कहा कि विधेयक का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय के कमजोर वर्गों खासकर गरीब और पसमांदा मुसलमानों को फायदा पहुंचाना है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह कानून वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करेगा और वंचित मुसलमानों के हित में काम करेगा।

वर्मा की यह टिप्पणी कुछ मुस्लिम संगठनों और विपक्षी नेताओं द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक के प्रावधानों को अदालत में चुनौती देने की योजना बनाने की खबरों के बीच आई है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक को पिछले दिनों संसद के दोनों सदनों में पारित कर दिया गया था।

'नेता को पार्टी और कार्यकर्ताओं को अपना परिवार समझना चाहिए'

नागपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि एक राजनेता के लिए पार्टी उसके परिवार की तरह होनी चाहिए और उसे पार्टी कार्यकर्ताओं को अपने परिवार के सदस्य के रूप में मानना चाहिए। गडकरी ने यह बात महाराष्ट्र के नागपुर शहर में भाजपा के नए कार्यालय की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित करने दौरान कही। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले भी उपस्थित थे।

भाजपा आज अपना स्थापना दिवस भी मना रही है।

गडकरी ने कहा, ''एक नेता के लिए उसकी पार्टी उसके परिवार की तरह होनी चाहिए तथा पार्टी कार्यकर्ता उसके परिवार के सदस्य की तरह होने चाहिए। आपको पार्टी कार्यकर्ताओं से वैसा ही प्यार करना चाहिए जैसा आप अपने बच्चों से करते हैं।'' गडकरी ने कहा कि उनके और फडणवीस जैसे नेताओं को आज जो कुछ भी बनने का अवसर मिला है, वह शुरू से ही असंख्य पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण और बलिदान के कारण संभव हुआ है। उन्होंने दावा किया कि एक समय ऐसा भी था जब कांग्रेस ने समाज में जनसंघ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आरएसएस की गलत छवि फैलाने की कोशिश की थी।

भाजपा नेता ने कहा, ''लेकिन, हमने अपने बारे में फैलाई गई गलत सूचनाओं को दूर किया है। हमारी पार्टी कोई जातिवादी या सांप्रदायिक पार्टी नहीं है।''

गडकरी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अपनी जाति के कारण बड़ा नहीं होता है। उन्होंने कहा, ''भाजपा कार्यकर्ता होना ही हमारी जाति (पहचान) है।'' उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य राष्ट्र का समग्र विकास है।

कॉलेजियम प्रणाली को बदलने का समय आ गया है : अश्विनी कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री अश्विनी कुमार ने रविवार को कहा कि न्यायिक नियुक्तियों की वर्तमान कॉलेजियम प्रणाली को बदलने का समय आ गया है और न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए वैकल्पिक तंत्र के पक्ष में ''जनता की राय मजबूती से'' आगे बढ़ रही है। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों पर लगे आरोपों सहित न्यायपालिका को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान के लिए एक मजबूत आंतरिक तंत्र स्थापित करने का भी आह्वान किया।

पूर्व केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री ने पीटीआई-भाषा के साथ एक विशेष साक्षात्कार में न्यायपालिका के भीतर की समस्याओं को दूर करने के लिए तंत्र, न्यायिक नियुक्तियां और राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) तथा संसद द्वारा पारित कानूनों को अदालतों में लगातार चुनौती दिए जाने जैसे कई विवादास्पद मुद्दों पर विस्तार से बात की।

कुमार ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''एनजेएसी के लिए समय 2014-15 में सही था, जब इसे पहली बार प्रस्तावित किया गया था और मतदान के लिए रखा गया था। आज यह निश्चित रूप से सही समय है। और अब, मैं आश्वस्त हूं कि न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए वैकल्पिक तंत्र के पक्ष में जनमत की प्रक्रिया मजबूती से आगे बढ़ रही है। यह प्रस्तावित एनजेएसी की तर्ज पर हो सकता है, यह कुछ बेहतर भी हो सकता है।'' संप्रग शासन के दौरान कानून मंत्री के रूप में कुमार के कार्यकाल के दौरान एनजेएसी विधेयक का मसौदा तैयार किया गया था, लेकिन बाद में राजग के सत्ता में आने के बाद इसे संशोधित रूप में पारित किया गया, लेकिन अक्टूबर 2015 में उच्चतम न्यायालय ने इसे रद्द कर दिया।

यह पूछे जाने पर कि उन्हें क्यों ऐसा लगता है कि एनजेएसी को लाने का समय आ गया है, कुमार ने कहा कि उन्हें उस निर्णय की वैधता पर गंभीर आपत्ति है जिसके तहत एनजेएसी को असंवैधानिक करार देकर रद्द कर दिया गया, जबकि इसमें ''संसद की सर्वोच्च इच्छा और बहुमत'' था।

वक्फ संशोधन अधिनियम सहित संसद द्वारा पारित विवादास्पद कानूनों को अदालतों में लगातार चुनौती दिए जाने के बारे में कुमार ने कहा कि यह उन प्रमुख मुद्दों में से एक है, जिसका राष्ट्र और इसकी राजनीतिक तथा न्यायिक प्रक्रियाओं को निकट भविष्य में समाधान करना होगा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक महत्व और राजनीतिक प्रभाव वाले लगभग हर बड़े सवाल को किसी न किसी तरह उच्चतम न्यायालय के पास भेज दिया जाता है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका ने स्वयं बार-बार कहा है कि राजनीतिक पचड़े में पड़ना न्यायिक कार्य का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि जो प्रश्न मूलतः राजनीतिक हैं, उनका निर्णय अंततः जनता की अदालत में किया जाना है।

हर्षोल्लास के साथ मनायी गई रामनवमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोरेन ने रांची के मंदिर में पूजा-अर्चना की

रांची/भाषा। झारखंड में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रविवार को हर्षोल्लास के साथ रामनवमी मनाई गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन ने रांची के राम जानकी तपोवन मंदिर में पूजा-अर्चना की।

सुबह से ही राज्य के मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें दिखीं। इस अवसर पर दोपहर में कई इलाकों में शोभा यात्राएं निकाली गईं।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''श्री रामनवमी के शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। जय सिया राम!'' उन्होंने कहा, ''प्रभु श्री राम का विशाल जीवन हमें प्रेम, मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, उदारता और त्याग का अप्रतिम संदेश देता है। प्रभु श्री राम के महान आदर्श युगों-युगों तक मानवजाति को प्रेरणा की अविरल धारा से सिंचित करते रहेंगे। आज का यह शुभ अवसर सभी के जीवन में खुशियां लाए, आप सभी स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रहें, यही कामना करता हूं।''

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भी इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं।

रामनवमी के उपलक्ष्य में राज्य की राजधानी की सड़कें भगवान राम और भगवान हनुमान की तस्वीरों वाले भगवा झंडों से सजाई गई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पूरे झारखंड में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि रांची, जमशेदपुर, गिरिडीह और हजारीबाग जैसे संवेदनशील जिलों में पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

आरसीबी के खिलाफ आईपीएल मैच में वापसी के लिए तैयार बुमराह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के खिलाफ वापसी के लिए तैयार हैं और वह इस आईपीएल मैच से पहले मुंबई इंडियन्स की टीम से जुड़ गए हैं।

जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई दौरे के पांचवें और अंतिम टेस्ट के दौरान बुमराह कोई पीठ से जुड़ी समस्या हुई थी और वह तब से बाहर थे और पिछले महीने चैंपियन्स ट्रॉफी जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में भी नहीं खेले।

मुंबई इंडियन्स के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने आरसीबी के खिलाफ आईपीएल मैच की पूर्व संध्या पर पुष्टि की कि बुमराह वापसी के लिए तैयार हैं।

जयवर्धने ने कहा, ''हां, वह उपलब्ध हैं। उन्होंने आज ट्रेनिंग की है इसलिए उन्हें कल उपलब्ध होना चाहिए।'' घुटने में चोट के कारण लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में नहीं खेलने वाले रोहित शर्मा ने भी रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में नेट पर बल्लेबाजी की और आरसीबी के खिलाफ मैच के लिए भी फिट हो सकते हैं। जयवर्धने ने कहा, ''रोहित अच्छा दिख रहा है। वह आज बल्लेबाजी करने जा रहा है। बल्लेबाजी करते समय उसके पैर पर दुर्भाग्यपूर्ण चोट लगी थी इसलिए वह सहज नहीं था। हम कल यात्रा कर रहे थे। आज वह बल्लेबाजी करेंगे और फिर हम उसका आकलन करेंगे।'' यह पूछे जाने पर कि क्या मुंबई की टीम में चोट की कोई समस्या है तो जयवर्धने ने कहा, ''मुझे ऐसी कोई जानकारी नहीं है।''

1996 में श्रीलंका के आक्रामक खेल ने टी20 क्रिकेट के आगमन का पूर्वाभास करा दिया था : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका की विश्व कप विजेता टीम की सराहना करते हुए कहा कि देश की आक्रामक और अभिनव शैली ने टी20 क्रिकेट के आगमन का पूर्वाभास करा दिया था।

एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को टीम के साथ बातचीत के दौरान कहा कि भारत की 1983 विश्व कप जीत और श्रीलंका की 1996 की जीत ने वैश्विक क्रिकेट परिदृश्य में परिवर्तनकारी भूमिका निभाई।

श्रीलंका की 1996 विश्व कप विजेता टीम में सनथ जयसूर्या, चामिंडा वास, अरविंदा डिसिल्वा, मार्वन अटापट्टू, रविंद्र पुष्पकुमारा, उपुल चंदना, कुमार धर्मसेना और रोमेश कालूवितरणा जैसे खिलाड़ी शामिल थे।

एक अधिकारी ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने माना कि 1996 के विश्व कप में श्रीलंकाई क्रिकेट की आक्रामक और अभिनव शैली ने एक तरह से टी20 क्रिकेट को जन्म दिया। ''

इस द्वीपीय देश की अपनी यात्रा के दौरान मोदी ने 1996 में बम विस्फोट के बावजूद भारत की श्रीलंका यात्रा को याद किया तथा इसे खेल भावना और स्थायी मित्रता का एक मजबूत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने 2019 के आतंकी हमलों के तुरंत बाद श्रीलंका का दौरा किया था।

अधिकारी ने कहा, ''श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री मोदी से श्रीलंका के उत्तरी हिस्से खासकर जाफना में एक उच्च स्तर वाले क्रिकेट मैदान के विकास का समर्थन करने का अनुरोध किया। ''

सुविचार

लघु ज्ञान एक गिलास में पानी की तरह है: स्पष्ट, पारदर्शी, शुद्ध। महान ज्ञान समुद्र में पानी की तरह है: अंधेरा, रहस्यमय, अभेद्य।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आत्मचिंतन का समय

आचार्यश्री विमलसागरसूरीजी ने अपने प्रवचनों में बड़ी गहरी बात कही है कि 'धन का दुरुपयोग विभिन्न समस्याओं का मूल कारण है।' आज लोगों के पास जानकारी का अभाव नहीं है। मोबाइल फोन पर हर तरह की जानकारी उपलब्ध है। सूचनाओं के अनियंत्रित प्रवाह के बीच जो तत्त्व कहीं-न-कहीं गुम हो रहा है, वह है- 'अनुशासन'। लोगों के जीवन में 'वित्तीय अनुशासन' का अभाव भी अनेक दु:ख पैदा कर रहा है। भोग-विलास की गहरी लालसा पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा रही है। आचार्यश्री ने जो कहा है, वह आधुनिक जीवनशैली पर गहन चिंतन के साथ एक ऐसी चेतावनी है, जिसे नज़रअंदाज़ करना भारी पड़ सकता है। आज कई लोग बचत और मितव्ययता को भूलकर मौज-मस्ती को प्राथमिकता दे रहे हैं। भले ही इसके लिए कर्ज लेना पड़े। कर्ज लेकर घी पीने की यह प्रवृत्ति कहां लेकर जाएगी? कोरोना काल ने हमें वित्तीय अनुशासन का महत्त्व खूब समझा दिया था। इसके बावजूद बहुत लोग वापस पुराने ढर्रे पर चल पड़े हैं। जब बात मौज-मस्ती की आती है तो वे लाखों रुपए लगाकर अपनी इच्छाओं की पूर्ति करते हैं। हालांकि जब उनके सामने किसी अच्छी किताब का जिक्र होता है तो वे तुरंत शिकायत करने लग जाते हैं कि आजकल महंगाई बहुत बढ़ गई। उपभोक्तावाद के युग में संसाधनों का अंधाधुंध दोहन इतना बढ़ गया है कि कई जीव-जंतुओं की प्रजातियां लुप्त हो गई हैं। क्या धरती पर इन्सान ही रहेगा? यह विडंबना ही है कि धरती और विभिन्न जीवों को बचाने की बातें खूब हो रही हैं, लेकिन कोई खास बदलाव नजर नहीं आ रहा है। समर्थ एवं संपन्न वर्ग चाहे तो अपनी ज़िंदगी से एक अच्छी मिसाल पेश कर सकता है। एक अरबपति शख्स हफ्ते में एक-दो बार महंगी कार के बजाय साइकिल से चले, आलीशान दफ्तर के बजाय पेड़ की छाया में बैठकर मीटिंग करे, महंगे ब्रांड्स के बजाय लघु एवं ग्रामोद्योग आधारित उत्पादों का इस्तेमाल करे तो उसे देखकर हजारों लोग प्रेरित हो सकते हैं।

अगर पिछले दो-तीन दशकों में हमारे खानपान में आए बदलावों पर ध्यान दें तो पता चलता है कि थाली में पकवानों की संख्या बढ़ी है, जीभ के स्वाद में बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर रोग भी बढ़े हैं। अस्पतालों में मरीजों की तादाद बढ़ी है। ऑपरेशन करवाने के लिए लाइनें बढ़ी हैं। अब स्वदेशी और सात्विक चीजों की पैरवी करने वाले को 'पुराने ज़माने' का माना जाता है। यह कहकर उसकी खिल्ली उड़ाई जाती है कि तुम प्रगतिविरोधी हो। न्यूनतम पदार्थों में संतुष्ट रहने वाले को 'कंजूस' कहकर आड़े हाथों लिया जाता है। ऐसे लोगों को पता ही नहीं कि 'संयम रखने' और 'कंजूसी का व्यवहार करने' में बहुत अंतर होता है। संयमी व्यक्ति पदार्थों का उतना ही उपभोग करता है, जितनी उसे ज़रूरत होती है। उसमें सबकुछ समेटकर अपनी ही जेब भरने की लालसा नहीं होती। अगर लोग अपने जीवन में संयम का अभ्यास करने लग जाएं तो कई रोग और समस्याएं पैदा ही न हों। यह कोई अतिशयोक्तिपूर्ण कथन नहीं है। इसे एक छोटे-से उदाहरण से समझ सकते हैं। ब्याह-शादियों और सामाजिक कार्यक्रमों में दिए जाने वाले भोज की जूठी थालियों की ओर नजर दौड़ाएं। कई लोग ज्यादा से ज्यादा पकवानों का आनंद लेने के लिए अपनी थाली भर लेते हैं। इन आयोजनों के दूसरे दिन कचरे के साथ बासी खाने का ढेर लगा रहता है। क्या ही अच्छा हो, अगर लोग उतना ही खाना लें, जितनी उन्हें जरूरत है! आयुर्वेद तो यह कहता है कि भूख से कुछ कम खाना चाहिए। अगर हमें बचपन से ही जीभ के संयम का ऐसा अभ्यास कराया जाए तो न केवल खाद्यान्न बर्बाद होने से बच सकता है, बल्कि कई रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं। भुखमरी और कुपोषण जैसी समस्याएं समाप्त हो सकती हैं। यह आत्मचिंतन का समय है। व्यक्ति, परिवार, समाज और सरकार, सबको अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। अगर अभी सुधार नहीं किया तो भविष्य में हालात मुश्किल होंगे।

ट्वीटर टॉक

आज रामनवमी के पावन अवसर पर श्रीलंका से वापस आते समय आकाश से रामसेतु के दिव्य दर्शन हुए। ईश्वरीय संयोग से मैं जिस समय रामसेतु के दर्शन कर रहा था, उसी समय मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के दर्शन का भी सौभाग्य मिला।

-नरेन्द्र मोदी

जोधपुर में आज भारतीय जनता पार्टी का 46 वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। इस कड़ी में जोधपुर लोकसभा क्षेत्र में हर हिस्से से देवतुल्य कार्यकर्ता साथी और शुभचिंतक मेरे निवास आए और हम सबने मिलकर पार्टी का ध्वज फहराया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

बिहार के युवा साथियों, मैं 7 अप्रैल को बेगूसराय आ रहा हूं, पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा में आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने। लक्ष्य है कि पूरी दुनिया को बिहार के युवाओं की भावना दिखे, उनका संघर्ष दिखे, उनका कष्ट दिखे।

-राहुल गांधी

प्रेरक प्रसंग

दृष्टिकोण की अभिव्यक्ति

एक बार चीन के सम्राट ने अपने गुरु से पूछा, 'एक ही चीज़ के अनेक रूप कैसे संभव हैं? एक ही में अनेकता का क्या रहस्य है?' गुरु ने सम्राट से कहा, 'हर चीज़ अपने आप को विविधतापूर्ण रूप में प्रस्तुत करती है।' गुरु ने फिर उदाहरण दिया, 'अब यह देखिए इस गुलाब के फूल को। कोई इसे उसके समग्र सौंदर्य के लिए पसंद करता है, तो कोई उसकी गंध के लिए, और कोई उसके रंग के लिए इसे सराहता है।

कितने ही दार्शनिक इस गुलाब के फूल को केवल फूल नहीं, बल्कि कंटकों के साथ मुस्कुराते रहने वाले संत के रूप में भी देख सकते हैं।' गुरु ने आगे कहा, 'संभव है कि कोई गुलाब के फूल पर पड़ी ओस की बूंदों को देखकर उसमें गुलाब के फूल के दुख-दर्द और अपने दिल के छिपे हुए दर्द की झलक देखता हो।' गुरु ने सम्राट से कहा, 'यानी, वस्तु एक ही है, पर उसे चाहने और पसंद करने वाले अनेक हैं। हर किसी का दृष्टिकोण अलग है और हर व्यक्ति अपने अनुभव, भावनाओं और सोच के आधार पर किसी चीज़ को अलग तरीके से देखता है।'

सामयिक

स्वस्थ समाज की ओर पहला कदम है जागरूकता

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य' विषय के साथ 75वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2024 का विषय था 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 यह दिवस 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में सार्वभौमिक स्वास्थ्य: 'हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके।

दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

मुद्दा

वक्फ संशोधन पर कितना भ्रम, कितना सच?

सुरेश हिंदुस्तानी
मोबाइल : 9770015780

आज देश में राजनीति के मायने परिवर्तित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। देश का प्रत्येक राजनीतिक दल अपना राजनीतिक प्रभुत्व बनाए रखने के लिए ही राजनीति कर रहा है। ऐसे में यह भी स्पष्ट नहीं हो पाता है कि कौन सही है और कौन गलत। इसका कारण यही है देश की जनता के समक्ष यह राजनीतिक दल ऐसा वातावरण बना देते हैं, जिससे तस्वीर का वास्तविक रूप दिखाई ही नहीं देता। अभी वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से जो तीर चलाए गए, उससे किसको फायदा या नुकसान होगा, यह हम नहीं कह सकते, लेकिन सत्ता पक्ष ने इस कदम को गरीब मुसलमानों के लिए हितकर बताया है, वहीं तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले राजनीतिक दलों ने वक्फ संशोधन विधेयक को मुस्लिम विरोधी बताने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जबकि यह विधेयक निश्चित रूप से यही दर्शाता है कि अब वक्फ बोर्ड किसी भी ज़मीन पर एकदम यह दावा नहीं कर सकेगा कि यह वक्फ की संपत्ति है। उल्लेखनीय है कि अब तक देश में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जिन पर वक्फ ने अपना दावा किया है, जबकि वह ज़मीन या तो सरकारी है या फिर किसी और की। चूँकि वक्फ द्वारा दावा करने के बाद उसकी जांच भी वक्फ बोर्ड ही करता था, तब उसकी न्याय व्यवस्था पर सवाल भी उठ रहे थे। वास्तव में इन्हीं सवालों का जवाब इस विधेयक में है। यह विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित होने के बाद अब कानून का रूप लेगा। ज़ब यह कानून बन जाएगा, तब इसका पालन सभी को करना चाहिए।

हम जानते होंगे कि देश में वक्फ के पास कई संपत्तियां ऐसी भी हैं, जिन पर सरकार या व्यक्तियों द्वारा आपत्ति दर्ज कराई गई हैं, लेकिन सवाल यह है कि वक्फ को मिले असीमित अधिकार के कारण इस पर कोई सवाल खड़े नहीं कर सकता है। हालांकि कई मामलों में कानूनी प्रक्रिया चल रही है। अकेले लखनऊ में ही कई ऐतिहासिक भवनों के बारे में वक्फ का दावा है कि यह इमारत वक्फ की है। ऐसे दावे गलत को सही ठहराने का ही कदम माना जा सकता है। हालांकि हम यह भी जानते होंगे कि देश के लिए नासूर बन चुकी धारा 370 के हटाने को लेकर भी कई राजनीतिक दलों और मुस्लिम नेताओं ने इसे इस्लाम विरोधी बताने में किसी प्रकार का परहेज नहीं किया। जबकि जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद जो बदलाव आया है, उसका मुसलमान भी साथ दे रहे हैं। उनके जीवन में व्यापक बदलाव आया है। हमें याद होगा कि ज़ब जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दरजा मिला था, तब आतंकियों के इशारे पर युवाओं को भ्रमित करने का खेल खेला गया। इनकी सक्रियता के कारण काश्मीर का व्यापार पूरी तरह से ठप रहा। आज सब कुछ सामान्य है। इसलिए सब बातों को गलत ठहराने की राजनीति अब बंद होना चाहिए। क्योंकि आशंका हमेशा सही नहीं होती। उसकी सही तस्वीर आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

वक्फ बोर्ड की स्थापना देश को स्वतंत्रता मिलने के बाद नहीं, बल्कि इसको सत्ता प्राप्त करने के लिए वक्फ अधिनियम 1954 के तहत 1964 में स्थापित किया गया। 1995 में वक्फ बोर्ड को असीमित अधिकार दिए गए। यही असीमित अधिकार मुसलमानों के बीच अमीर और गरीब की खाई पैदा करने वाला था। वर्तमान केंद्र सरकार ने इसी अधिकार में बदलाव किया है। हम यह जानते ही होंगे कि इन्हीं असीमित अधिकार के चलते ही वक्फ बोर्ड ने देश की कई पुरातात्विक संपत्ति पर वक्फ के होने का दावा किया। ख़ास बात यह है कि इस दावे के प्रमाण देने की आवश्यकता वक्फ बोर्ड की नहीं थी, जिसकी ज़मीन है, वही इसका प्रमाण प्रस्तुत करेगा। यही कारण है कि देश में कई पुराने भवन ऐसे भी हैं, जिनके कागजी प्रमाण नहीं हैं, ऐसी स्थिति में कोई भी निर्णय वक्फ के दावे को सही ठहराने वाला ही होता था। वर्तमान सरकार ने इस प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ही कानून बनाया है। इसमें गलत क्या है? यह कदम न तो इस्लाम के विरोध में है और न ही वक्फ की ज़मीन को हथियाने का माध्यम है। ज़ब यह गलत नहीं है तो फिर क्यों उकसावे की राजनीति की जा रही है। यह समझ से परे है। वक्फ के नए संशोधन का जिस प्रकार से विरोध हो रहा है, उसके पीछे मात्र राजनीति ही है, इसके अलावा कुछ नहीं। कुछ राजनीतिक दल मुसलमानों को केवल वोट बैंक की दृष्टि से देखता है, इसी कारण उनकी यह राजनीतिक मजबूरी बनती है कि उनको मुस्लिम वोट प्राप्त करने के लिए यह सब करना पड़ता है। दूसरा बड़ा कारण यह भी है कि जो वक्फ बोर्ड का संचालन करते हैं, उनको वक्फ संपत्ति से करोड़ों का फायदा होता है। वह अपने सगे सम्बंधियों को इसके माध्यम से उपकृत करने की भरसक चेष्टा भी करते हैं। इतना ही नहीं मुस्लिम समाज के संपन्न व्यक्ति वक्फ के नाम पर अपनी संपत्ति को बचाने की चेष्टा भी करते हैं। सुनने में यह भी आ रहा है कि मुस्लिम समाज के नेता ओवैसी की बहुत सारी संपत्ति वक्फ के नाम से संचालित की जा रही है। इसमें सच क्या है, यह सामने आना चाहिए। वक्फ का खेल अपनी संपत्ति बचाने के लिए किया जा रहा है। जबकि वक्फ बोर्ड का काम सारे मुसलमानों की भलाई करना है। जबकि असलियत में ऐसा नहीं हो रहा।

वक्फ विधेयक का विरोध देश के सारे मुसलमान कर रहे हैं, ऐसा नहीं है। कई स्थानों पर इसके समर्थन में भी स्वर उभरे हैं। विरोध केवल वे ही कर रहे हैं, जो मुस्लिम वर्ग के मठाधीश बने बैठे हैं। वे ही समाज को गुमराह कर रहे हैं। मुसलमान समाज राजनीति का शिकार होता रहा है। वर्तमान में भी उसके साथ वैसा ही खेल खेला जा रहा है, जैसा हमेशा राजनीतिक दलों ने खेला था। आज की स्थिति अलग है, वास्तव में वर्तमान संशोधन गरीब मुसलमानों के हित में है। इसलिए मुस्लिम समाज देश की मुख्य धारा में आकर आगे बढ़ने का प्रयास करें, इसी में मुसलमानों की भलाई है।

नजरिया

रोजाना बड़ी मात्रा में स्लो पॉइजन का सेवन

डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल : 082374 17041

आज के आधुनिक युग में मनुष्य ने जितनी तरक्की की है, उतना ही स्वास्थ्य से खिलवाड़ भी हुआ है और वक्त के साथ यह लगातार बढ़ रहा है, जिसका कारण मनुष्य स्वयं हैं। हृदय रोग, मस्तिष्क आघात, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां तेजी से बढ़ रही है, साथ ही मधुमेह, रक्तचाप, मोटापा, कमजोरी, आहार में पोषक तत्वों की कमी की समस्या तो चरम पर है, इस वजह से असमय मौत का आंकड़ा दिन-ब-दिन बढ़ रहा है, कुछ पल पहले एकदम स्वस्थ नजर आनेवाला व्यक्ति, बड़ों से लेकर छोटे-छोटे बच्चे भी खेलते या व्यायाम करते हुए या बैठे-बैठे भी गश खाकर गिरते है और पता चलता है कि मौत हो गयी। एक दशक पहले जो जानलेवा बीमारियां हमें केवल कभी-कभार ही सुनने मिलती थी, अब वो बीमारियां रिश्ते-नातेदारों, आस-पड़ोसियों और हमारे घर-परिवार के लोगों तक पहुंच चुकी हैं। मनुष्य का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहद कमजोर हुआ है, मौसम के करवट लेते ही बीमारियां तुरंत जकड़ लेती हैं। हमारे देश में औसत आयु दर पाश्चात्य देशों की तुलना में लगातार गिर रही हैं। विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2024 में 143 देशों में से भारत को 126वां स्थान दिया गया। भारत खुशी के मामले में पाकिस्तान, लीबिया, इराक, फिलिस्तीन और नाइजर जैसे देशों से भी पीछे हैं। कभी इस समस्या पर गंभीरता से विचार किया है कि बीमारियां तेजी से क्यों बढ़ रही है? क्या वजह हो सकती है? स्वस्थ जीवन जीने के लिए क्या हमें रोज शुद्ध ऑक्सीजन, स्वच्छ पानी और पोषक आहार पर्याप्त मात्रा में मिल रहा है?

अन्न उगाने से लेकर हमारे थाली में परोसने तक उसे अनेक हानिकारक रासायनिक प्रक्रियाओं से गुजारा जाता हैं। देश में अशुद्ध खान-पान और अस्वच्छता की समस्या बहुत ही ज्यादा है, लोग स्वार्थ और लालच में इतने अंधे हो चुके है, कि अपने एक रुपये के फायदे के लिए भी लोगों को जहर खिलाने तैयार हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर से खबर आई कि शवों पर इस्तेमाल की गई बर्फ का उपयोग बाजार में मिलने वाले शीत पेय में किया जा रहा था। आश्चर्यजनक है, कि देश में उत्पादन से ज्यादा दूध और दुग्धजन्य खाद्यपदार्थ बेचे जाते है, देश के 68.7 प्रतिशत दूध और दूध उत्पादों में प्रदूषक पाए गए है। तेल, घी, शक़्कर, नमकीन, मैदेयुक्त खाद्यपदार्थों की मांग अत्याधिक होती है, जबकि यह सेहत पर बेहद बुरा असर करते हैं। शहद, मसाला, चाय पत्ती, तेल, दूध, मिठाइयां, घी, केसर जैसे खाद्यपदार्थों में मिलावट बहुत ज्यादा हैं। बाहरी खाद्य पदार्थों के रंग बहुत ज्यादा तेज और आकर्षित नजर आते है, अधिकांश खाद्य पदार्थों को रंगने के लिए प्राकृतिक रंगों के स्थान पर हानिकारक कृत्रिम रंगों का उपयोग किया जाता है, खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल होने वाला बाहरी बर्फ, पानी, चटनियां, सॉसेज, खाद्यतेल गुणवत्ता की कसौटी पर अधिकतम खरी नहीं उतरतीं। देश के अधिकतर स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सामग्रियों में बिना दस्तानों के सीधे हाथ लगाने की बहुत बुरी आदत नजर आती है, इसका खामियाजा ग्राहकों के स्वास्थ्य को भुगतना पड़ता हैं। जो पशुओं के लिए भी ठीक नहीं, वह खाद्य अर्थात घातक कचरा मनुष्य स्वाद लेकर खा रहा हैं।

देश में ज्यादातर खाद्य पदार्थों को पैक करने और लपेटने में अखबारों का इस्तेमाल किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। एफएसएसएआई के अनुसार, खाद्य पैकेजिंग सामग्री के रूप में शोषक कागज के बजाय समाचार पत्रों के व्यापक उपयोग के कारण भारतीयों में धीरे-धीरे विषाक्तता फैल रही हैं। मैदा रासायनिक रूप से प्रक्षालित (जहरीला) होता है, इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स उच्च होता है जिससे टाइप 2 डायबिटीज हो सकता है, इसमें फाइबर की कमी के कारण यह पाचन तंत्र में बाधा डालता है। खाद्य तेल का व्यापक स्तर पर पुनर्चक्रण कर जंक फूड तैयार किया जाता है, तेल को बार-बार गर्म करने से लिपिड का ऑक्सीडेटिव विघटन होता हैं। दोबारा गर्म किए गए तेल से बने भोजन का लंबे समय तक सेवन करने से व्यक्ति के एंटीऑक्सीडेंट रक्षा नेटवर्क पर गंभीर असर पड़ सकता है, जिससे उच्च रक्तचाप, मधुमेह और संवहनी सूजन जैसी विकृतियां पैदा हो सकती है, आगे चलकर यह जानलेवा बीमारियों का कारण बनते हैं। जंक फूड या बाहरी फूड से उच्च कोलेस्ट्रॉल, हृदय रोग, मधुमेह, गुर्दे की क्षति, मोटापा, यकृत रोग, कैंसर, दंत क्षति, अवसाद, पेट संबंधी विकार, त्वचा संबंधी रोग जैसी समस्याओं की संभावना बढ़ती हैं। पैक्ड फूड, पेय के कारण हम माइक्रोप्लास्टिक का सेवन कर रहे हैं। भारत में 56 प्रतिशत बीमारियाँ अस्वास्थ्यकर आहार से संबंधित हैं। आयुर्वेद कहता है कि, यदि आहार सही नहीं है तो स्वास्थ्य सुधारने के लिए दवा भी काम नहीं करती। स्ट्रीट फूड शेफ या खाद्यपदार्थ विक्रेता सरकारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। अपने हाथ स्वच्छ धोएं, स्वच्छ बर्तन व उपकरण का प्रयोग करें, दुकान पर स्वच्छता बनाए रखें, कच्चे और पके भोजन को अलग रखें, खाद्यपदार्थ तैयार करने के लिए पीने के पानी का उपयोग करें।

हमें मरने के लिए कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं है, हमारा आसपास का वातावरण और हमारी जीवनशैली ही है जो हमें असामयिक मृत्यु की ओर तेजी से ले जाती है। देश में बहुत से वायरल फूड वीडियो, खबरों से भी खाद्य पदार्थों में गंदगी, घटिया गुणवत्ता वाली खाद्य सामग्री, घातक रासायनिक प्रक्रिया, विषैले रंग और मिलावटखोरी की जानकारी मिलती हैं। बंद कमरों में तैयार होने वाले बहुत से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर संदेह निर्माण होता है, फिर भी सड़कों पर, रेल्वे, बस अड्डों और सार्वजानिक स्थानों पर वह खाद्यपदार्थ धड़ल्ले से बिकते हैं। देश में बड़ी मात्रा में मिलावटखोरी के साथ ही नकली कंपनी के खाद्य व पेय पदार्थ भी खूब बिकते हैं। अपनी और अपनों की सेहत की जिम्मेदारी हमारी स्वयं की है, जबान के स्वाद के लालच में अपने अमूल्य स्वास्थ्य को दांव पर न लगायें। घर के खाने को प्राथमिकता दें, रोजाना व्यायाम, पर्याप्त नींद, स्वच्छता और पौष्टिक आहार का ध्यान रखें। गर्म पेय-खाद्य हेतु प्लास्टिक और मुद्रित रद्दी पेपर का प्रयोग बिलकुल न हों। बासी खाना, तली, मसालेदार, मीठी, मैदायुक्त, कृत्रिम रंगयुक्त, पैक्ड फूड, रासायनिक प्रक्रिया से गुजरने वाले खाद्यपदार्थों से दूरी बनायें। सफर में या बाहर जाते वक्त जरूरत हो तो घर से ही पीने का पानी और भोजन साथ लेकर चलें। स्वास्थ्य ही संपत्ति है, सेहत संभाले, निरोगी जीवन जियें।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जयकारे

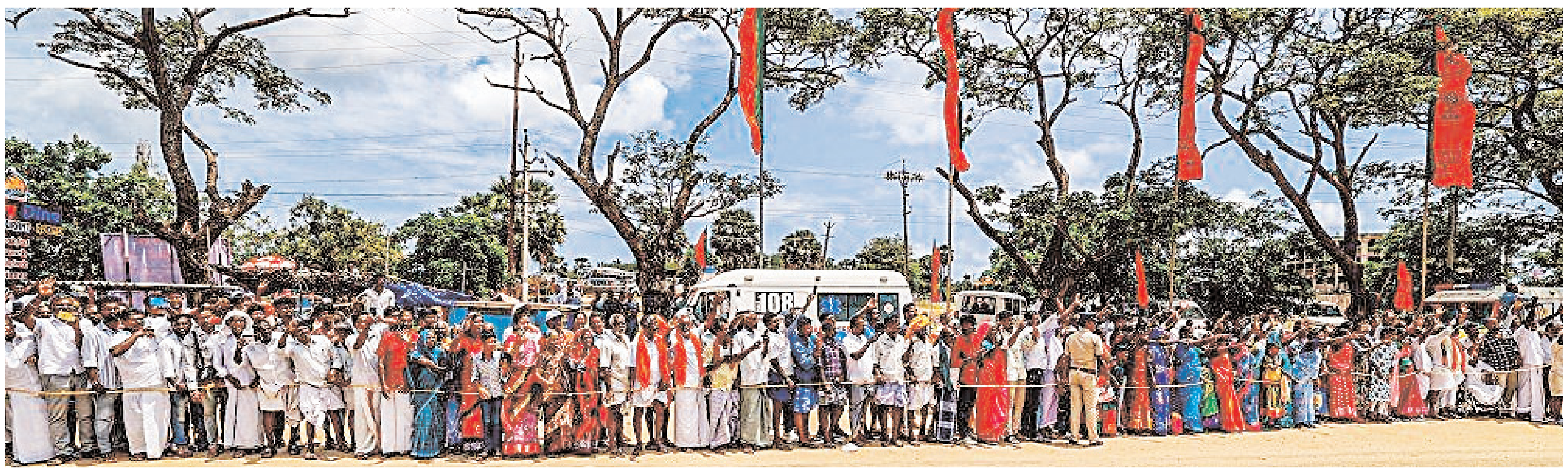

रामेश्वरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के दौरान समर्थकों ने जयकारे लगाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंका के अनुराधापुरा में बौद्ध मंदिर के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को श्रीलंका के ऐतिहासिक शहर अनुराधापुरा में जय श्री महाबोधि मंदिर के दर्शन किए। अनुराधापुरा की यात्रा के दौरान मोदी के साथ श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके भी थे। अनुराधापुरा कोलंबो से लगभग 200 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक आध्यात्मिक शहर है। प्रधानमंत्री ने मंदिर में प्रमुख भिक्षु से आशीर्वाद भी लिया। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति दिसानायके के साथ अनुराधापुरा में जय श्री महाबोधि में प्रार्थना की। बौद्ध धर्म के सबसे प्रतिष्ठित स्थलों में शामिल इस मंदिर के दर्शन करना भावविभोर कर देने वाला क्षण है। उन्होंने कहा, यह शांति, ज्ञान और आध्यात्मिक निरंतरता का जीवंत प्रतीक है। भगवान बुद्ध की शिक्षाएं हमेशा हमारा मार्गदर्शन करती रहें। जय श्री महाबोधि मंदिर का भारत-श्रीलंका सभ्यतागत संबंधों में विशेष महत्व है। मान्यता है कि बोधि वृक्ष की उत्पत्ति भारत के बोधगया में हुई है। सम्राट अशोक की बेटी थेरी संघमित्रा भारत से बोधि वृक्ष का पौधा लाई थी और इस मंदिर के परिसर में वह पौधा लगाया गया था। अनुराधापुरा की यात्रा के दौरान, मोदी और दिसानायके भारत से सहायता प्राप्त दो रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। प्रधानमंत्री थाईलैंड की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद शुक्रवार शाम कोलंबो पहुंचे थे।

मोदी की यात्रा भारत की 'पड़ोसी पहले नीति' में श्रीलंका की अहम भूमिका की पुष्टि : राष्ट्रपति कार्यालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा 'सदियों पुरानी मित्रता, समृद्ध भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता' की थीम पर आधारित स्थायी संबंधों को रेखांकित करती है, तथा भारत एवं श्रीलंका के बीच संबंधों को और मजबूत बनाती है।

कोलंबो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की श्रीलंका यात्रा भारत की 'पड़ोसी पहले नीति' में द्वीपीय देश की महत्वपूर्ण भूमिका को पुष्ट करती है। राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के कार्यालय ने रविवार को यहां एक बयान में यह बात कही। मोदी ने रविवार को श्रीलंका की बेहद सार्थक यात्रा संपन्न की, जिसके दौरान उन्होंने राष्ट्रपति दिसानायके के साथ व्यापक वार्ता की और रक्षा, ऊर्जा तथा डिजिटलीकरण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। राष्ट्रपति दिसानायके के कार्यालय ने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा 'सदियों पुरानी मित्रता, समृद्ध भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता' की थीम पर आधारित स्थायी संबंधों को रेखांकित करती है, तथा भारत एवं श्रीलंका के बीच संबंधों को और मजबूत बनाती है।

इसमें कहा गया है कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत की 'पड़ोसी पहले नीति' और 'महासागर' दृष्टिकोण में श्रीलंका की महत्वपूर्ण भूमिका को पुष्ट करती है। इसमें कहा गया है कि मोदी की यात्रा से सहयोगात्मक पहल पर महत्वपूर्ण परिणाम मिलने की उम्मीद है, जिससे पारस्परिक प्रगति और विकास की दिशा में मार्ग प्रशस्त होगा।

अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र ने मनोज कुमार के साथ अनदेखी तस्वीरें साझा कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र ने दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार के साथ अपनी कुछ अनदेखी तस्वीरें साझा कीं। देशभक्ति फिल्मों के लिए 'भारत कुमार' के नाम से मशहूर मनोज कुमार का शुक्रवार सुबह मुंबई में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। फिल्म हरियाली और रास्ता, वो कौन थी?, शहीद, गुमनाम, उपकार और पूरब पश्चिम जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध कुमार कुछ समय से बीमार थे और उम्र संबंधी समस्याओं के कारण कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल में शुक्रवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे उनका निधन हो गया। बच्चन कुमार के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए शनिवार को पवन हंस श्मशान घाट पहुंचे थे। वहीं, धर्मेंद्र ने भी दिवंगत अभिनेता के आवास पर जाकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

बच्चन ने वर्ष 1974 में कुमार के निर्देशन में बनी फिल्म 'रोटी कपड़ा और मकान' में उनके साथ काम किया था। बच्चन ने अपने निजी ब्लॉग पर रविवार को एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर साझा की, जिसमें वे दोनों गले मिलते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने तस्वीर साझा करते हुए लिखा, स्मृति में...इस दुख की घड़ी में प्रार्थना करता हूं। शादी और मैदान-ए-जंग जैसी फिल्मों में मनोज कुमार के साथ काम कर चुके अभिनेता धर्मेंद्र ने एक तस्वीर साझा की। उन्होंने तस्वीर साझा करते हुए लिखा, मनोज, मेरे यार तेरे साथ बीता हर पल बहुत याद आएगा। फिल्म रोटी कपड़ा और मकान में कुमार के साथ काम कर चुकीं अभिनेत्री जीनत अमान ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने अभिनेता के साथ फिल्म की एक तस्वीर भी साझा की। अमान ने कहा, मनोज कुमार के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ।

ऋतिक रोशन ने जूनियर एनटीआर को अपना फेवरेट को-स्टार बताया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो ऋतिक रोशन ने दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर को अपना फेवरेट को-स्टार बताया है। जूनियर एनटीआर आज सिर्फ साउथ नहीं, पूरे इंडिया में एक बड़ा नाम बन चुके हैं। उनकी दमदार एक्टिंग और स्क्रीन प्रेजेंस ने सबको इम्प्रेस किया है। अब उनके वॉर 2 को-स्टार ऋतिक रोशन ने भी एक दिलचस्प बात शेयर की है। ऋतिक का कहना है कि जूनियर एनटीआर ने न सिर्फ दर्शकों बल्कि उनके दिल में भी एक खास जगह बना ली है। हाल ही में एक इवेंट में जब ऋतिक रोशन से पूछा गया कि उनका फेवरेट को-स्टार कौन है, तो उन्होंने बिना झिझक जवाब दिया, मेरा फेवरेट को-स्टार जूनियर एनटीआर हैं। मैंने अभी उनके साथ वॉर 2 की है, वो कमाल के हैं, बेहद टैलेंटेड हैं और शानदार टीममेट भी हैं। मुझे लगता है हमने मिलकर कुछ बहुत अच्छा बनाया है, और अब इंतजार है आप सबके उस फिल्म को देखने का। वॉर 2, 14 अगस्त को!

जूनियर एनटीआर हाल ही में अपनी फिल्म देवरा के प्रमोशन के लिए जापान में नजर आए। वहां लोगों का प्यार देखते ही बन रहा था, एक फैन ने तो तेलुगु में बात करते हुए उन्हें अपना इंस्पिरेशन तक बता दिया। अब जाहिर है कि वॉर 2 का दर्शक भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जब ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर एक साथ स्क्रीन पर धमाल मचाएंगे।

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के टॉप 5 प्रतिभागी घोषित

मुंबई/एजेन्सी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के टॉप 5 प्रतिभागी घोषित हो गए हैं। सेलिब्रिटी मास्टरशेफ अपने रोमांचक समापन की ओर बढ़ रहा है। टॉप 5 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स किचन में अपनी प्रतिभा का जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। हर कोई प्रतिष्ठित खिताब जीतने और खुद को अंतिम मास्टरशेफ साबित करने के लिए पूरी मेहनत कर रहा है। टॉप 5 प्रतिभागियों में तेजस्वी प्रकाश, निक्की तंबोली, फैसल शेख, गौरव खन्ना और राजीव अदातिया शामिल हैं। फिनाले वीक में शानदार मुकाबला, जबरदस्त पाक-कला का प्रदर्शन, और रोमांच से भरपूर यादगार पल देखने को मिलेगा। निक्की तंबोली ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं खुद पर बेहद गर्व महसूस कर रही हूँ, क्योंकि यह मेरा पहला टैलेंट-बेस्ड रियलिटी शो है।

टॉप 5 तक पहुंचना अपने आप में एक बड़ी ज़िम्मेदारी है, क्योंकि जजों और शेफ्स की उम्मीदें अब एक नए स्तर पर हैं। टॉप 5 में होने से मेरे अंदर और ज्यादा मेहनत करने की प्रेरणा मिली है। इस वक्त मैं खुद को बादलों में उड़ा हुआ महसूस कर रही हूँ, और अब जब जीत कुछ ही कदम दूर है, मैं अपना 100 प्रतिशत देने के लिए पूरी तरह तैयार हूँ।

वहीं, राजीव अदातिया ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा, टॉप 5 में पहुंचना वास्तव में एक अद्भुत अहसास है। यह एक शानदार उपलब्धि है। मेरे लिए यह पहले से ही एक जीत जैसी है, और मैं फाइनलिस्ट के रूप में यहां तक पहुंचकर बहुत गर्व महसूस कर रहा हूँ।

जैसे-जैसे प्रतियोगिता अपने चरम पर पहुंच रही है, हर कंटेस्टेंट खिताब जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रहा है। जबरदस्त दृढ़संकल्प, अविश्वसनीय प्रतिभा और अटूट जुनून के साथ ये प्रतियोगी अपनी सीमाओं को पार कर रहे हैं, जिससे हर पल रोमांच से भर जाता है। सेलेब्रिटी मास्टरशेफ सोमवार से शुक्रवार रात 8 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजनऔर सोनी लिव पर प्रसारित होता है।

अनकही कहानियों की कहानी है फिल्म 'अकाल-द अनकॉन्क्रेर्ड' : गिप्पी ग्रेवाल

मुंबई/एजेन्सी

जाने-माने अभिनेता गायक गिप्पी ग्रेवाल का कहना है कि उनकी फिल्म अकाल-द अनकॉन्क्रेर्ड अनकही कहानियों की कहानी है। हाल ही में अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल, निमृत खैरा, निकितिन धीर और गुरप्रीत घुग्गी जैसे सितारे भी अपनी आनेवाली फिल्म 'अकाल : द अनकॉन्क्रेर्ड' के प्रमोशन के सिलसिले में दिल्ली आए। फिल्म 'अकाल : द अनकॉन्क्रेर्ड' की कहानी 1840 के दशक में सेट एक एक्शन ड्रामा है, जिसमें पंजाब के योद्धा एक विशोधी सेना के खिलाफ खुद का बचाव करते हैं। गिप्पी ग्रेवाल ने बताया कि 'अकाल : द अनकॉन्क्रेर्ड' ऐसी कहानियों के बारे में एक फिल्म है, जो अब तक अनकही रही हैं और इनके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। जैसा कि नाम से ही ज्ञात होता है 'अकाल' का मतलब है कालातीत, यानी जिसे किसी भी काल में जीता नहीं जा सकता। फिल्म 'अकाल : द अनकॉन्क्रेर्ड' का निर्माण करण जौहर (धर्मा प्रोडक्शंस) द्वारा किया गया है और यह फिल्म. 10 अप्रैल 2025 को रिलीज़ होगी।

निर्देशक अजय सिंह लेकर आ रहे हैं फिल्म '3 स्टार बहुरिया'

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी फिल्म 3 स्टार बहुरिया की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। फिल्म 3स्टार बहुरिया की टैगलाइन सास हवलदार और बहु थानेदार की नई कहानी है। इस फिल्म के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान निर्देशक अजय सिंह ने संभाली है। वही इस फिल्म का लेखन सुरेंद्र मिश्रा, विवेक मिश्रा ने किया है। फिल्म का संगीत साजन मिश्रा दे रहें हैं। इस फिल्म के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर इमरोज अख्तर मुन्ना है। वही फिल्म की शूटिंग उत्तरप्रदेश के वाराणसी के रमणीय स्थलों पर की जाएगी। जिस तरह से इस फिल्म का नाम है 3 स्टार बहुरिया उससे प्रतीत होता है कि यह फिल्म पुलिस बल पर आधारित होंगी। वहीं टैगलाइन की बात करें तो सास हवलदार और बहु थानेदार है। जिससे फिल्म की कहानी का अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये कहानी बहुत ही अलग और अनोखी होने वाली है। फिल्म के निर्माता रत्नाकर कुमार ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस फिल्म की शूटिंग की जानकारी दर्शकों के साथ साझा की है।

अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनायी थी सुचित्रा सेन ने

जन्म दिवस पर विशेष

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा में सुचित्रा सेन को एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने बंगला फिल्मों में उल्लेखनीय योगदान करने के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी विशेष पहचान बनायी। सुचित्रा सेन .मूल नाम रोमा दासगुप्ता. का जन्म छह अप्रैल 1931 को पवना .अब बंगलादेश. में हुआ। उनके पिता करुणोमय दासगुप्ता हेड मास्टर थे। वह अपने माता-पिता की पांच संतानों में तीसरी संतान थी। सुचित्रा सेन ने प्रारंभिक शिक्षा पवना से हासिल की। वर्ष 1947 में उनका विवाह बंगाल के जाने-माने उद्योगपति अदिनाथ सेन के पुत्र दीबानाथ सेन से हुआ। वर्ष 1952 में सुचित्रा सेन बतौर अभिनेत्री बनने के लिये फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा और बंगला फिल्म ..शेष कोथाय ..में काम किया। फिल्म हालांकि प्रदर्शित नहीं हो सकी। वर्ष 1952 में प्रदर्शित बंगला फिल्म ..सारे चतुर ..अभिनेत्री के रूप में उनकी पहली फिल्म थी। इस फिल्म में उन्होंने अभिनेता उत्तम कुमार के साथ पहली बार काम किया। निर्मल डे निर्देशित हास्य से भरपूर इस फिल्म में दोनों कलाकारों ने दर्शकों को हंसाते-हंसाते लोटपोट कर दिया और फिल्म को सुपरहिट बना दिया। इसके बाद इस जोड़ी ने कई फिल्मों में एक साथ काम किया। इनमें वर्ष हरानो सुर और सप्तोपदी खास तौर पर उल्लेखनीय है। वर्ष 1957 में अजय कार के निर्देशन में बनी फिल्म ..हरानो सुर ..वर्ष 1942 में प्रदर्शित अंग्रेजी फिल्म ..रैंडम हारवेस्ट ..की कहानी पर आधारित थी।

वर्ष 1961 में सुचित्रा-उत्तम कुमार की जोड़ी वाली एक और सुपरहिट फिल्म .सप्तोपदी ..प्रदर्शित हुयी। द्वितीय विश्व युद्ध के कुपरिणामों की पृष्ठभूमि पर आधारित इस प्रेम कथा फिल्म में सुचित्रा सेन के अभिनय को जबरदस्त सराहना मिली। इसका अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि आज भी बंगला फिल्मों की अभिनेत्रियां इस फिल्म में उनकी भूमिका को अपना ड्रीम रोल मानती है। वर्ष 1955 में सुचित्रा सेन ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में भी कदम रख दिया। उन्हें शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के मशहूर बंगला उपन्यास.देवदास.पर बनी फिल्म में काम करने का अवसर मिला। विमल राय के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उन्हें अभिनय सम्राट दिलीप कुमार के साथ काम करने का अवसर मिला। फिल्म में उन्होंने .पारो. के अपने किरदार से दर्शको का दिल जीत लिया। वर्ष 1957 में सुचित्रा सेन की दो और

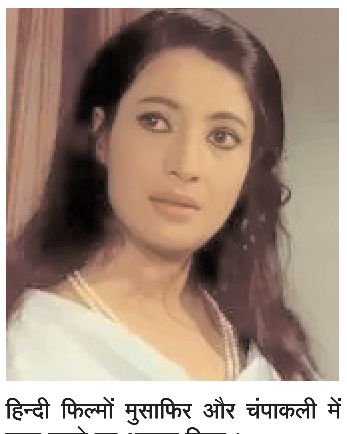

हिन्दी फिल्मों मुसाफिर और चंपाकली में काम करने का अवसर मिला ।

ऋषिकेश मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म ..मुसाफिर ..में उन्हें दूसरी बार दिलीप कुमार के साथ काम करने का मौका मिला जबकि फिल्म चंपाकली में उन्होंने भारत भूषण के साथ काम किया लेकिन दोनों ही फिल्म टिकट खिड़की पर असफल साबित हुयी। वर्ष 1959 में प्रदर्शित बंगला फिल्म ..दीप जोले जाये ..में सुचित्रा सेन के अभिनय के नये आयाम दर्शकों को देखने को मिले। इसमें सुचित्रा सेन ने राधा नामक नर्स का किरदार निभाया. जो पागल मरीजो का इलाज करते करते खुद ही बीमार हो जाती है। अपनी पीड़ा को सुचित्रा सेन ने आंखों और चेहरे से इस तरह पेश किया.जैसे वह अभिनय न करके वास्तविक जिंदगी जी रही हो। वर्ष 1969 में इस फिल्म का हिंदी में रीमेक ..खामोशी ..भी बनाया गया. जिसमें सुचित्रा सेन के किरदार को वहीदा रहमान ने रुपहले पर्दे पर साकार किया।

वर्ष 1960 में प्रदर्शित फिल्म ..बंबई का बाबू ..सुचित्रा सेन के सिने करियर की दूसरी सुपरहिट हिंदी फिल्म साबित हुयी। राज खोसला के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उन्हें देवानंद के साथ काम करने का अवसर मिला। इस जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया। वर्ष 1963 में प्रदर्शित फिल्म ..उत्तर फाल्गुनी ..सुचित्रा सेन की एक और महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुयी। असित सेन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उन्होंने मां और पुत्री के दोहरे किरदार को निभाया। इसमें उन्होंने एक वेश्या पन्ना बाई का किरदार निभाया जो अपनी वकील पुत्री सुपर्णा का साफ-सुथरे माहौल में पालन पोषण करने का संकल्प लिया है। इस फिल्म में पन्ना बाई की मृत्यु का दृश्य सिनेदर्शक आज भी नहीं भूल पाये हैं। वर्ष 1963 में ही सुचित्रा सेन की एक और सुपरहिट फिल्म ..सात पाके बांधा ..प्रदर्शित हुयी.जिसमें उन्होंने एक ऐसी युवती का किरदार निभाया, जो विवाह के बाद भी अपनी मां के प्रभाव में रहती है। इस कारण उसके वैवाहिक जीवन में दरार आ जाती है। बाद में जब उसे अपनी गलती का अहसास होता है .तब तक बहुत देर हो चुकी होती है और उसका पति उसे छोड़कर विदेश चला जाता है। इस संजीदा किरदार से सुचित्रा सेन ने दर्शकों का दिल जीत लिया। उन्हें इस फिल्म के लिए मास्को फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ फिल्म अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह फिल्म इंडस्ट्री के इतिहास में पहला मौका था, जब किसी भारतीय अभिनेत्री को विदेश में पुरस्कार मिला था। बाद में इसी कहानी पर 1974 में कोरा कागज फिल्म का निर्माण किया गया ,जिसमें सुचित्रा सेन की भूमिका को जया भादुड़ी ने रुपहले पर्दे पर साकार किया। वर्ष 1975 में सुचित्रा सेन की एक और सुपरहिट फिल्म ..आंधी.. प्रदर्शित हुयी।

गुलजार निर्देशित इस फिल्म में उन्हें अभिनेता संजीव कुमार के साथ काम करने का अवसर मिला। इसमें उन्होंने एक ऐसे राजनेता की भूमिका निभाई,जो अपने पिता के प्रभाव में राजनीति में कुछ इस कदर रम गयी कि अपने पति से अलग रहने लगी। ..आंधी.. कुछ दिनों के लिये प्रतिबंधित भी कर दी गयी। बाद में जब यह प्रदर्शित हुयी तो इसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी सफलता अर्जित की। इस फिल्म के लगभग सभी गीत उन दिनों काफी मशहूर हुये थे।

राजा चौधरी ने 'तेनाली रामा' में किया कमबैक

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता राजा चौधरी ने सोनी सब के शो तेनाली रामा में कमबैक किया है। सोनी सब का शो तेनाली रामा अपनी रोमांचक कहानियों से दर्शकों का दिल जीत रहा है। इसमें महान दरबारी कवि और कुशल रणनीतिकार की कहानियों को प्रस्तुत किया गया है, जिसका किरदार प्रतिभाशाली कृष्णा भारद्वाज ने जीवंत किया है। कहानी में एक नया मोड़ तब आता है जब एक नए साम्राज्य और उसके प्रबल राजा चौडप्पा राय (राजा चौधरी) का परिचय कराया जाता है, जो कथानक में एक रोमांचक नया अध्याय जोड़ता है। अभिनेता राजा चौधरी ने केलाड़ी साम्राज्य के वैध शासक चौदप्पा राय का महत्वपूर्ण किरदार निभाया है। राजा चौधरी ने कहा, तेनाली रामा में फिर से लौटना बहुत अच्छा लग रहा है। पिछले अध्याय में मैंने सरदार का किरदार निभाया था। इस बार मैं एक बिल्कुल अलग चरित्र राजा चौडप्पा राय का किरदार निभा रहा हूं। यह एक अद्भुत किरदार है। राय एक न्यायप्रिय और साहसी राजा हैं। वह एक ऐसी स्थिति से जूझ रहे हैं जहां उनकी ताकत और बुद्धिमत्ता भी कमजोर पड़ रही है। सिंहासन के श्राप की कथा उनके साम्राज्य की नींव हिला देती है, और सत्य को उजागर करने की उनकी यात्रा अप्रत्याशित मोड़ों से भरपूर है। इस किरदार को निभाना एक अविश्वसनीय अनुभव है, और मैं तेनाली रामा के दूसरे सीजन में शामिल होने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। तेनाली रामा हर सोमवार से शनिवार रात आठ बजे, केवल सोनी सब पर प्रसारित होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
8
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | सोमवार | 07-04-2025
/dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जाति, भाषा, प्रांत और संप्रदायों का भेदभाव इतना जहरीला होता है कि वह न्याय, नीति, मानवता और कर्तव्य का बोध कभी नहीं होने देता। इनके बलबूते पर अयोग्य भी सत्ता की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं। नीति शास्त्र कहता है कि अयोग्य के पास आई हुई सत्ता, सामर्थ्य और शक्ति सदैव लोगों के शोषण तथा उत्पीड़न का ही काम करती है। कमोबेश हम अपने देश के अनेक प्रांतों में और विश्व के अनेक देशों में यही स्थिति देख रहे हैं। यह कलयुग की करुण दर्दनाक कथा है।

जन्मकल्याणक महोत्सव में नाटक के माध्यम से दिखाया जाएगा प्रभु आदिनाथ का जीवन चरित्र

शाम को होगा यह भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। समस्त जैन समाज के सहयोग से जैन युवा संगठन द्वारा 10 अप्रैल को फ्रीडम पार्क में प्रभु महावीर का 2624वां जन्मकल्याणक महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत ने बताया कि इस बार जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में सायंकालीन आध्यात्मिक कार्यक्रम के तहत प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ चरित्र की भव्य प्रस्तुति 'भक्तामर स्तोत्र एक दिव्य स्तुति' का आयोजन होने जा रहा है। कार्यकम के चेयरमैन राजेश चावत ने बताया कि कार्यक्रम में नाट्य, संगीत और भावनात्मक रूपकों के माध्यम से भगवान आदिनाथ का चारित्र प्रस्तुत किया जाएगा। नाटक की लेखिका, संकल्पनाकार एवं निर्देशिका मनाली मुणोत के साथ 75 प्रतिभागी कलाकार इन प्रसंगों को जीवंत करने के लिए तैयारियां पर जुटे हैं। नाटक में भगवान आदिनाथ की तपस्या, त्याग और दिव्यता को दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में आचार्य मानतुंग की प्रेरणादायक कथा व उनके द्वारा रचित भक्तामर स्त्रोत की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम को लेकर समाज में अत्यंत उत्साह है। मंच सज्ञा, वेशभूषा, संगीत संयोजन और लाइटिंग जैसे तमाम पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अध्यक्ष जैन महावीर मुणोत का यह मानना है कि यह प्रस्तुति जैन संस्कृति की गौरवगाथा को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। आयोजन समिति के सह चेयरमैन रितेश धोका एवं रितेश पामेचा है। सायंकालीन भक्ति संध्या में मीठालाल पामेचा एवं विकास पोरवाल का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है।

जीतो द्वारा राष्ट्रीय जॉब्स फेयर आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) द्वारा जॉब्स फेयर का आयोजन स्थानीय जेएटीएफ होस्टल में अत्यंत भव्यता और आयोजनात्मक कुशलता के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. आर. के. झावर विशेष रूप से उपस्थित थे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में जीतो चेन्नई चैप्टर्स के चेयरमैन राजेश चंदन, अरुण ओस्तवाल, आकाश चौहान,जॉब्स संयोजक अजय नाहर, श्रीपाल छाजेड़, डी. के. जैन, अश्विन राठौर और जितेन्द्र भंडारी आशीष सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे।

35 प्रमुख कंपनियों की भागीदारी और 385 से अधिक पंजीकृत प्रतिभागी में से इस आयोजन में चेन्नई की प्रतिष्ठित कंपनियों और संस्थानों ने भाग लिया और सैकड़ों नौकरियों के अवसर प्रस्तुत किए। लगभग 20% प्रतिभागियों ने पंजीकरण कर साक्षात्कार में भाग लिया, जिनमें से कई को ऑन-द-स्पॉट 9 लोगो को ऑफर लेटर 124 लोगो को शॉर्टलिस्ट किया गया।

इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य व्यक्ति, पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। इनमें प्रमुख रूप से जीतो चेन्नई व चेन्नई प्लस के पदाधिकारी, यूथ विंग और लेडीज विंग के सदस्य, कंपनी प्रतिनिधिगण, समाजसेवी और कई वरिष्ठ जैन सदस्यगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सीएस आशीष एवं निकिता लोढ़ा द्वारा सटीक और प्रभावी तरीके से किया गया।

यह आयोजन युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर दिलाने, उनकी प्रतिभा को निखारने और उन्हें व्यावसायिक सफलता की राह पर अग्रसर करने के उद्देश्य से किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. आर. के. झावर ने अपने संबोधन में कहा कि जीतो द्वारा किया गया यह प्रयास समाज के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल है। वहीं, विशिष्ट अतिथियों ने भी इसे समाज के उत्थान हेतु प्रभावी और प्रेरणादायक कदम बताया।

इस कार्यक्रम में ललित कानूंगा, सुरेश गुंदेछा, पंकज कांकरिया, कुशल नाहर, अक्षय सेठ, राकेश घोड़ा, विनोद कोठारी, अमित जैन, अंकित सिरोया, नातेश जैन, सुदर्शन बोहरा, शुभम भंडारी, विजय गोलेछा, रणजीत जैन, सोनाली दुगर, सुरभी, शानू जैन, कुणाल जैन, पिंकी भंडारी, शिल्पा कोठारी, अनुभा, कोमल, आदर्श , हिमांशु, यक्षीत आदि सभी महिला युवा शाखा ने अपनी सेवाएं दी।

अमृतवाणी मंडल द्वारा रामनवमी उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार के सभी साधकजनों ने बड़े हर्षोल्लास के साथ साहुकारपेट के सिंधी धर्मशाला के प्रांगण में श्री रामनवमी का महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई गई। इसकी शुरूआत सुबह सवा आठ बजे से की गई सबसे पहले श्री गणेश वंदना श्री गुरु वंदना और मां सरस्वती वंदना के बाद श्री सुंदरकांड का पाठ सुंदरकांड समिति द्वारा किया गया। इसमें परमधाम अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार के सदस्यों का भी सहयोग भरपूर था। उसके बाद सामूहिक रूप से अमृतवाणी का पाठ और भजन किया गया।

भजन 'मेरे झोपड़ी के भाग खुल जाएंगे मेरे राम आए हैं' इसी कड़ी में 'मेरे मन में है राम मेरे तन में है राम मेरे रोम रोम में राम रे' जैसे मधुर भजन गाए गए।

मंडल के अरविन्द कुमार दाधीच ने बताया कि दोपहर में श्रीरामजन्मोत्सव के मौके पर थाली बजाकर मंडल के सदस्यों ने एक दूसरे को बधाई बांटी।

महाप्रसादी के भोग भगवान को लगाया गया उपरांत आरती की गई। महाप्रसाद भक्तों में वितरण हुआ। कार्यक्रम में सदस्यों को सहयोग रहा।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। यहां श्री वर्धमान जैन सेवा संघ (कोयंबटूर)के तत्वाधान में मलूमिच्चमपट्टी के राजकीय कन्या उच्च विद्यालय में चल रहे विकलांग केंद्र के विद्यार्थियों के उपयोगार्थ जरूरी फर्नीचर प्रदान किया गया। संघ के संरक्षक ज्ञानचंद खारीवाल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि समाज सेवी महेंद्र रांका शाल ओढाकर, माला पहनाकर एवं स्मृतिचिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। समाजसेवी मदनलाल खारीवाल का भी सम्मान किींया गया। संयोजन कोषाध्यक्ष विकास सुराना ने किया। संघ के सचिव निलेश रांका ने धन्यवाद दिया। विकलांग सेंटर की सबिका ने सेंटर की अन्य जरूरतों का ब्यौरा देते हुए सभी को भगवान महावीर स्वामी के जन्मकल्याणक की शुभकामनाएं दी। समारोह में विक्रम जैन,वरुण रांका सहित सेंटर के विद्यार्थियों ने भी शिरकत किया।

चुन्नीलाल फिर बने गौड़ ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष व अनिल बने सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गौड़ ब्राह्मण संघ कर्नाटक की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें चुनाव अधिकारी पवनकुमार शर्मा ने सर्वसम्मति से वर्ष 2025-27 के लिए नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा की। एक बार फिर चुन्नीलाल नाथोलिया को अध्यक्ष व अनिल शर्मा को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष की टीम में बिमल सुरोलिया उपाध्यक्ष, दिनेशचंद उपाध्याय कोषाध्यक्ष, महेशकुमार शर्मा उपसचिव, मुकेश शर्मा व संदीप नाथोलिया सहसचिव चुने गए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अशोक भुवानिया, मनोजकुमार शर्मा, विजयकुमार शर्मा, संदीप जोशी, मुकेश शर्मा, मधुसुदन शर्मा, रोहित शर्मा, अखिलेश मिश्रा को चुना गया। उपस्थित जनों ने नए पदाधिकारियों का सम्मान किया।

तेरापंथ सभा राजाजीनगर ने मनाया आचार्यश्री भिक्षु का अभिनिष्क्रमण दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित अशोक कन्वेंशन हॉल में साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस का आयोजन तेरापंथ सभा द्वारा किया गया। भिक्षुश्रद्धा स्वर टीम राजाजीनगर, गांधीनगर एवं विजयनगर के सदस्यों द्वारा भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस के उपलक्ष्य में गीतिका की प्रस्तुति दी। दक्षिणांचल महासभा के प्रभारी प्रकाशचंद लोढ़ा ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। तेरापंथ सभा राजाजीनगर के अध्यक्ष अशोक चौधरी, तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने सभी श्रावक श्राविकाओं का स्वागत किया।

साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि सत्य की खोज हेतु आचार्य भिक्षु ने अभिनिष्क्रमण किया। संघर्षों के घेरे में भिक्षु ने गालियों एवं मुक्कों को सहन कर सत्य के प्रति समर्पित रहे। आचार्य भिक्षु एक प्रकाश स्तंभ थे। नैसर्गिक प्रतिभा के धनी थे। आचार्य भिक्षु अभिवृद्धि देने नहीं, सत्य की उपलब्धि के लिए चले थे। कष्टों के झंझटों में सत्य रूपी सुगंध को फैलाने हेतु भिक्षु खड़े रहे, डटे रहे और सफलता को प्राप्त करते रहे। आज के दिन हम भिक्षु को सही रूप में समझें और नैतिकता व ईमानदारी से जीवन का निर्वाह करते हुए सत्य को प्राप्त करें। मुख्य वक्ता बजरंग जैन ने अपने अनुभवमय विचारों को प्रस्तुत करते हुए कहा कि भिक्षु को जपने वाला जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ता है । श्रद्धा, समर्पण एवं भक्ति से भगवान की पूजा कर अपने सम्यकत्व को पुष्ट करता है। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि भिक्षु सत्य के पुजारी थे। सत्य के खातिर सर्वस्व त्याग कर अकेले संघर्षों के मार्ग पर चल पड़े। कारवां चलता गया और तेरापंथ का नाम अमर हो गया। इस कार्यक्रम में तेरापंथी महासभा के दक्षिण आंचलिक प्रभारी प्रकाशचंद लोढ़ा, शाखा प्रभारी संजय बांठिया सहित विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, यशवंतपुर सभा के अध्यक्ष सुरेश बरडिया, हनुमंतनगर सभा के अध्यक्ष गौतम दक सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। सभा के मंत्री चन्द्रेश मांडोत ने धन्यवाद दिया।

तेरापंथ धर्म संघ आचार्य भिक्षु की धर्म क्रांति का प्रतिफल है : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में शांतिनगर स्थित हेरिटेज अपार्टमेंट में साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में 266वां भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस का आयोजन किया गया। पहले चरण में 45 मिनट के लिए भीखु श्याम ' नाम का सवा लाख नाम जप का अनुष्ठान करवाया गया। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने कहा कि आज रामनवमी है, आज के दिन प्रभु राम का जन्म हुआ था और आचार्य भिक्षु ने अभिनिष्क्रमण से तेरापंथ का जन्म हुआ था। तेरापंथ धर्म संघ आचार्य भिक्षु की धर्म क्रांति का प्रतिफल है। आचार्य भिक्षु का जीवन सकारात्मक व शांत था। साध्वीश्री उन्नतयशाजी ने विचार व साध्वीश्री रम्यप्रभाजी ने कविता के माध्यम से अपने भाव व्यक्त किए।

सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने साध्वीश्री व अन्य उपस्थित जनों का स्वागत किया। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। अर्चना सुराणा एवं ममता घोषल के निर्देशन में ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा नाटिका की प्रस्तुति दी गईं। कार्यक्रम के संयोजक जितेंद्र घोषल ने संचालन किया। तेयुप के मंत्री राकेश चोरड़िया ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर महासभा से गौतम सेठिया, युवक परिषद के अध्यक्ष विमल धारीवाल, हनुमंतनगर तेयुप के अध्यक्ष कमलेश झाबक सहित अनेक अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

बानसवाड़ी सेवा संघ ने अन्नदान कर मनाया राम जन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बानसवाड़ी सेवा संघ की ओर से रविवार को दौड्डबानसवाड़ी में श्रीराम नवमी के अवसर पर प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर संघ की ओर से आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने भाग लिया। संघ के संस्थापक भवानीशंकर पारीख ने बताया कि श्रीराम नवमी पर श्रद्धा व भक्तिभाव के साथ राम जन्मोत्सव मनाया गया। अन्नदान कार्यक्रम में अध्यक्ष भीमसिंह राजपुरोहित, उपाध्यक्ष ओगड़राम चौहान, भंवरलाल हाम्बड़, पुराराम परिहार, जगदीश चोयल, भरत, राधेश्याम राजपुरोहित, राकेश कुमार आदि ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कारवार नौसैनिक अड्डे के दौरे के बाद राजनाथ सिंह ने नौसेना की प्रशंसा की

कारवार। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) के देशों के साथ समन्वय की असाधारण प्रतिबद्धता के लिए भारतीय नौसेना की सराहना की। सिंह ने एक दिन पहले ही रणनीतिक रूप से अहम कर्नाटक स्थित करवार बेस से आईओएस पोत 'सागर' को हरी झंडी दिखाई थी। सिंह ने एक्स' पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्हें महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लेते देखा जा सकता है, जिसमें नौसेना कमांडरों के सम्मेलन, 2025 के पहले चरण में भाग लेना भी शामिल है। सिंह ने शनिवार को नौसैनिक अड्डे का दौरा किया था। रक्षा मंत्री ने कहा, करवार नौसेना अड्डे पर एक दिन! राष्ट्रीय समुद्री दिवस के अवसर पर पांच अप्रैल 2025 को मुझे भारत, भारतीय नौसेना और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) के लिए वास्तव में उल्लेखनीय मील का पत्थर देखने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा, महासागर की सच्ची भावना के अनुरूप, भारतीय नौसेना समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ जुड़ने तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अपनी असाधारण प्रतिबद्धता जारी रखे हुए है।

मंत्र आभामंडल को सत्वशाली बनाते हैं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

रविपुष्य योग में दादावाड़ी में हुई ध्यान और मंत्रसाधना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रविवार को पुष्य नक्षत्र का संयोग पाकर बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरी दादावाड़ी में बीजमंत्रों की साधना और ध्यान के प्रयोग करवाते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मंत्रदान और साधना के लिए आश्विन व चैत्र माह की नवरात्रि के दिन अत्यधिक महत्वपूर्ण होते हैं। इनके अलावा मंत्रों की उपासना के लिए शास्त्रों में रविपुष्य, गुरुपुष्य और कार्तिक शुक्ल पंचमी (लाभपंचमी) के उल्लेख मिलते हैं। इन पवित्र दिनों में ब्रह्मचर्य का परिपालन और संयमित आहारचर्या के साथ जो भावपूर्वक मंत्रसाधना करते हैं, वे निहाल हो जाते हैं। जैन व वैदिक परंपरा में मंत्र और ध्यान साधनाओं की सिद्धि के अनेक प्रामाणिक उल्लेख मिलते हैं। यहां ध्वनि विज्ञान के अद्भुत आविष्कार के रूप में अनेक बीजमंत्रों का निर्माण हुआ है। वे प्रकृति और शरीर के विभिन्न केंद्रों को प्रभावित करते हुए मनुष्य को आराध्य के ध्यान में निमग्न करते हैं। समय-समय पर साधकों ने बीजमंत्रों की साधना कर संसार की शांति और मानवजाति की उन्नति के अनेक सिद्ध प्रयोग किए हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने साधना से संबंधित तलस्पर्शी मार्गदर्शन देते हुए स्थान, दिशा, नक्षत्र, बीज मंत्र, उनकी प्रकृति, आसन, आहार, मुद्रा, सामग्री और साधना विधि की रोचक जानकारी देकर साधकों को ज्ञान से समृद्ध किया। उन्होंने ओंकार और ह्रींकार बीजमंत्रों की विस्तृत विवेचना की। उन्होंने बताया कि तीन अथवा तीन से अधिक स्वरों और व्यंजनों के जोड़ से बीजमंत्र का निर्माण होता है। वैदिक परंपरा ओंकार और ह्रींकार में ब्रह्मा, विष्णु और माहेश्वर की परिकल्पना करती हैं, जबकि जैन परंपरा उनमें पंच परमेष्ठी और चौबीस तीर्थंकर का निवास मानती हैं। मंत्र आभामंडल को सत्वशाली बनाते हैं। इस अवसर पर गणि पद्मविमलसागरजी, खरतरगच्छ के मुनि मलयप्रभसागरजी, अनेक साधु-साध्वीगण, दादावाड़ी ट्रस्ट के तेजराज मालानी, बाबूलाल भंसाली, अरविंद कोठारी, तेजराज गुलेच्छा आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.